सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 105 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 21 मई, 2026
मूल्य ₹ 3/-

अगर आप अपनी जिंदगी से प्यार करते हैं तो वक्त मत बर्बाद करें, क्योंकि वो वक्त ही है जिससे जिंदगी बनी होती है।

-ब्रूश ली

प्लेऑफ में चौथे स्थान के लिए... 7 | एक बार सियासी सुगबुगाहट से... 3 | भाजपा संविधान में मिले अधिकारो... 2

कॉकरोच जनता पार्टी का पेज भारत में कर दिया गया बैन

तानाशाहियां हमेशा हथियारों से नहीं बल्कि हंसी से डरती हैं!

» क्या डिजिटल व्यंग्य अब लोकतंत्र के लिए खतरा माना जाएगा?

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तो क्या केन्द्र की मोदी सरकार कॉकरोच जनता पार्टी से डर गयी है। सरकार की कॉकरोच पार्टी पर की गयी कार्रवाई देखकर तो यही लगता है कि सरकार कॉकरोच पार्टी से पूरी तरह से डर चुकी है। कॉकरोच पार्टी के फाउंडर ने एक्स के जरिये जानकारी दी है कि पार्टी के सोशल मीडिया पेज को भारत में सस्पेंड कर दिया गया है।

ऐसा क्यों हुआ हैं? किसलिए किया गया है और किस के कहने पर हुआ है इसका कोई जवाब नहीं दिया गया है। हम कह सकते हैं कि एक व्यंग्यात्मक डिजिटल आंदोलन ने सत्ता के सबसे मजबूत किले की नींव में कंपन पैदा कर दिया? और क्या यही वजह है कि जिस काकरोच जनता पार्टी को शुरुआत में लोग मीम समझकर हंस रहे थे आज उसी के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर कानूनी शिकंजा कसने की नौबत आ गई? सवाल छोटा नहीं है। क्योंकि कहानी सिर्फ एक सोशल मीडिया एकाउंट की नहीं है कहानी उस बेचैनी की है जो सत्ता के गलियारों में तब पैदा होती है जब मजाक जनता का हथियार बन जाता है।

सोचिए... कितनी ताकत है

विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी होने का दावा करने वाली बीजेपी। करोड़ों कार्यकर्ताओं, हजारों आईटी सेल योद्धाओं और विशाल डिजिटल मशीनरी के बावजूद एक ऐसी कॉकरोच पार्टी से मुकाबला करती दिखाई दे रही है जिसका जन्म महज कुछ दिनों पहले हुआ है और सबसे बड़ा झटका? सिर्फ 6 दिन में इंस्टाग्राम पर एक करोड़ 10 लाख से ज्यादा लोग जुड़ गए के रूप में सामने आया है। उधर बीजेपी का इंस्टा ग्राफ वहीं 87 लाख के आसपास अटका हुआ दिखाई दे रहा है। यही वो आंकड़ा है जिसने सत्ता के माथे पर पसीना ला दिया है। क्योंकि राजनीति में हार सिर्फ चुनाव से नहीं होती हार तब शुरू होती है जब जनता हंसना शुरू कर दे। जब युवा मीम्स को भाषण से ज्यादा शेयर करने लगें। जब व्यंग्य, प्रचार से ज्यादा असरदार हो जाए। और जब कॉकरोच शब्द सत्ता के लिए असहजता पैदा करने लगे। याद रखिए इतिहास गवाह है कि तानाशाहियां हमेशा हथियारों से नहीं डरतीं वह हंसी से डरती हैं। वह व्यंग्य से डरती हैं। वह उस डिजिटल भीड़ से डरती हैं जो बिना किसी पार्टी कार्यालय, बिना किसी फंड और बिना किसी टीवी चैनल के सीधे जनता के मोबाइल में घुस जाती है।

आखिरकार क्यों जुड़ रहे हैं युवा

आज का युवा भाषणों से नहीं व्यंग्य से जुड़ रहा है। यही वजह है कि कॉकरोच जनता पार्टी जैसा मजाक अचानक एक बड़े डिजिटल ट्रेंड में बदल गया। इसकी सबसे बड़ी ताकत है रिलेटेबल सटायर। कॉकरोच को लोग ऐसे जीव के रूप में देखते हैं जो हर हाल में जिंदा रहता है। न सिस्टम उसे खत्म कर पाता है न स्प्रे न मुश्किल हालात। सोशल मीडिया पर वायरल हुई लाइन देश में सिर्फ कॉकरोच ही सर्वाइव कर सकता है सीधे युवाओं के दिल में उतर गई। क्योंकि आज का युवा खुद को भी कुछ ऐसी ही लड़ाई लड़ता महसूस कर रहा है। बेरोजगारी की मार, प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और घोटाले, लगातार बढ़ती महंगाई, नौकरी की अनिश्चितता और सोशल मीडिया से पैदा हुआ मानसिक दबाव। इन सबने युवाओं के भीतर गहरी निराशा पैदा की है। लेकिन यह पीढ़ी अपनी नाराजगी को पारंपरिक राजनीतिक भाषा में नहीं बल्कि मीम और व्यंग्य की भाषा में व्यक्त करती है। यही कारण है कि कॉकरोच जनता पार्टी के पोस्ट और रील्स सिर्फ मजाक नहीं लगते बल्कि सिस्टम पर कटाक्ष जैसे महसूस होते हैं। युवाओं को इसमें अपनी हताशा संघर्ष और गुस्से का प्रतीक दिखाई दे रहा है।

सिस्टम से निराश युवाओं की डिजिटल चीख

क्या कॉकरोच जनता पार्टी सिर्फ एक इंस्टा पेज है या सिस्टम से निराश नई पीढ़ी की डिजिटल चीख? और राजनीति का सबसे विस्फोटक सवाल क्या यह बीजेपी के खिलाफ बना स्वतः स्फूर्त व्यंग्य है? या फिर कोई इनडायरेक्ट गेम चल रहा है? क्योंकि सोशल मीडिया की राजनीति में कुछ भी ऑर्गेनिक नहीं माना जाता। हर ट्रेंड के पीछे एजेंडा खोजा जाता है। कुछ लोग कह रहे हैं यह सरकार विरोधी युवाओं का डिजिटल विद्रोह है। कुछ कह रहे हैं कि यह विपक्षी इकोसिस्टम की क्रिएटिव चाल है। और कुछ तो यहां तक कह रहे हैं कि कहीं यह बीजेपी की ही अंदरूनी सोशल इंजीनियरिंग तो नहीं? ताकि असली मुद्दों से ध्यान हटे या युवाओं का गुस्सा मीम में बदल जाए। लेकिन एक बात साफ है कि भारत की राजनीति अब सिर्फ रैलियों से नहीं चलेगी। अब चुनावी लड़ाई मीम, रील, ट्रोल और इंस्टा एल्गोरिद्म पर भी होगी। और इस लड़ाई में एक कॉकरोच ने एंट्री मार दी है!

अब देखिए घटनाक्रम

सीजेपी यानी कॉकरोच जनता पार्टी का अकाउंट अचानक भारत में विदहेल्ड कर दिया जाता है। कारण? लीगल डिमांड, संस्थापक अभिजीत दीपके खुद एक्स पर स्क्रीनशॉट डालकर कहते हैं कि As expected Cockroach Janta Party's account has been withheld in India. मतलब सवाल और गहरा हो गया। अगर यह सिर्फ एक मजाक था तो फिर इतना डर क्यों? अगर यह सिर्फ एक मीम था तो फिर लीगल डिमांड क्यों? और अगर इसका कोई असर नहीं था तो फिर इसे रोकने की जरूरत क्यों पड़ गई? यही वह बिंदु है जहां पूरा मामला राजनीतिक विस्फोट बन जाता है। क्योंकि जनता अब पूछ रही है कि क्या सरकार आलोचना से डरने लगी है? क्या डिजिटल व्यंग्य अब लोकतंत्र के लिए खतरा माना जाएगा? क्या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सिर्फ सत्ता समर्थकों तक सीमित रह गई है? सबसे दिलचस्प बात यह है कि सीजेपी ने कोई चुनाव नहीं लड़ा कोई रैली नहीं की कोई पोस्टर नहीं लगाए फिर भी वह चर्चा के केंद्र में आ गई। क्योंकि उसने युवाओं की निराशा को भाषा दे दी। उसने सिस्टम पर गुस्से को मीम में बदल दिया। और उसने राजनीति को उस आईने के सामने खड़ा कर दिया जिसमें जनता अब डर नहीं रही बल्कि ठहाके लगा रही है। और सत्ता के लिए सबसे खतरनाक आवाज वहीं होती है जो गुस्से में नहीं हंसते हुए उठती है।

56 पोस्ट और बीजेपी पीछे

दरअसल कॉकरोच जनता पार्टी सिर्फ मीम नहीं है यह सिस्टम के खिलाफ जमा हुआ गुस्सा है जो उभर कर सामने आ रहा है। सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के दौरान एक टिप्पणी हुई और कॉकरोच शब्द सोशल मीडिया पर विस्फोट बन गया। भारत के सीजेआई की एक टिप्पणी को देश के उन करोड़ों युवाओं ने अपने ऊपर हमला माना। जो बेरोजगारी, पेपर लीक, महंगाई और अनिश्चित भविष्य से पहले ही टूट चुके थे। सीजेआई की टिप्पणी के बाद आये कॉकरोच जनता पार्टी नाम के डिजिटल तूफान ने देश की पूरी राजनीति को मथ दिया है। 16 मई को मजाक में बना एक इंस्टाग्राम पेज देखते-देखते देश का सबसे बड़ा वायरल राजनीतिक व्यंग्य बन गया। सिर्फ छह दिनों में इस पेज ने 10.9 मिलियन यानी एक करोड़ नौ लाख फॉलोअर्स हासिल कर लिए, जबकि बीजेपी का आधिकारिक अकाउंट 87 लाख पर रह गया। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि बीजेपी ने यह आंकड़ा हजारों पोस्ट के बाद हासिल किया जबकि कॉकरोच जनता पार्टी ने सिर्फ 56 पोस्ट में डिजिटल विस्फोट कर दिया। यह सिर्फ एल्गोरिद्म का खेल नहीं था। यह उस गुस्से का विस्फोट था जो वर्षों से युवाओं के भीतर जमा हो रहा था। बेरोजगारी, परीक्षा घोटाले, सिस्टम पर अविश्वास और लगातार बढ़ती निराशा ने इस व्यंग्य को आंदोलन जैसा रंग दे दिया। पार्टी का नारा सेक्युलर, सोशलिस्ट, डेमोक्रेटिक और लेजी खुद में एक कटाक्ष बन गया। जैसे युवा कह रहे हों कि अगर सिस्टम हमें कॉकरोच कहता है तो हम उसी नाम को अपनी पहचान बना लेंगे। इस मुहिम ने सिर्फ मजाक नहीं किया बल्कि न्यायपालिका की जवाबदेही, चुनावी पारदर्शिता और महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण जैसे मुद्दे भी उठाए। अनुराग कश्यप, कुणाल कामरा, उर्फी जावेद, महुआ मोइत्रा और अखिलेश यादव जैसे नामों के जुड़ने से यह ट्रेंड और बड़ा होता गया। सबसे बड़ा संदेश साफ है भारत का युवा अब पारंपरिक राजनीति की भाषा में नहीं बोलता। वह मीम बनाता है, रील बनाता है, व्यंग्य करता है। लेकिन उसके भीतर का गुस्सा असली है। कॉकरोच जनता पार्टी शायद चुनाव न लड़े, लेकिन उसने सिस्टम को आईना जरूर दिखा दिया है।

भाजपा संविधान में मिले अधिकारों को दरकिनार कर रही है: अखिलेश

» बोले सपा प्रमुख- भर्तियों के आरक्षण में लूट जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने नौकरियों में भर्ती में हो रही धांधली को लेकर भाजपा सरकार को घेरा है। यूपी के पूर्व सीएम ने कहा कि भाजपा सरकार ने 22 भर्तियों में 11514 से ज्यादा आरक्षित पदों की लूट की है। इसे उन्होंने पीडीए ऑडिट अंक-1 बताते हुए कहा कि सप्ताह भर के भीतर इस पत्रिका को गांव-गांव पहुंचाएंगे, ताकि आम मतदाता समझ सके कि किस तरह से भाजपा संविधान में मिले अधिकारों को दरकिनार कर रही है।

अखिलेश ने प्रदेश सपा मुख्यालय पर संवाददाताओं से कहा कि भाजपा सरकार के पक्षपात और लूट के खिलाफ सपा लड़ती रहेगी। उन्होंने कहा कि 69 हजार शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों को न्याय नहीं मिला। इस शिक्षक भर्ती में पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों को 27 फीसदी सांविधानिक आरक्षण मिलना चाहिए लेकिन उन्हें सिर्फ 3.86 फीसदी आरक्षण मिला। इनके आरक्षण में 23.14 फीसदी की लूट हुई। इसी तरह से एससी वर्ग के 4.8 फीसदी आरक्षण की लूट हुई।

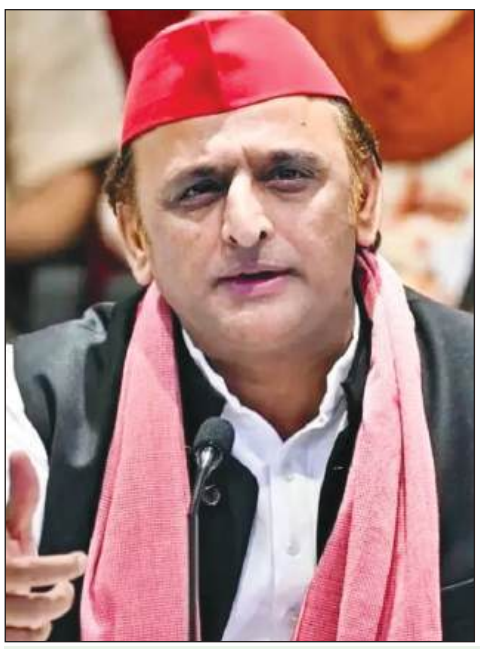

शिक्षक भर्ती में 20 हजार सीटों का घोटाला

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने भी शिक्षक भर्ती में 20 हजार सीटों का घोटाला माना है। यूपी सरकार ने 22 के चुनाव में खुद शिक्षक भर्ती में आरक्षण की लूट को स्वीकार किया और 6800 पदों की एक अतिरिक्त चयन सूची जारी की थी। भाजपा सरकार ने एसटी के 1133 पदों को खाली छोड़ दिया है। 69 हजार शिक्षक भर्ती में अगर सरकार की ही मानें तो कुल 7933 आरक्षित पदों की लूट हुई है।

पीडीए ऑडिट रिपोर्ट गांव-गांव तक पहुंचाएंगे

पीडीए ऑडिट रिपोर्ट में वन और वन्य जीव रक्षक भर्ती, बांदा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, एडेड जूनियर हाईस्कूल मास्टर व हेडमास्टर भर्ती, ग्राम पंचायत अधिकारी भर्ती, नेत्र परीक्षण अधिकारी भर्ती, यूपीएसएसएससी आशुलिपिक भर्ती, लखीमपुर को-ऑपरेटिव भर्ती, पशु चिकित्सक भर्ती, लेखपाल भर्ती, स्वास्थ्य-शिक्षा अधिकारी भर्ती, चिकित्सा अधिकारी आयुर्वेद भर्ती, कृषि प्राविधिक सहायक भर्ती आदि भर्तियों में हुए कथित आरक्षण घोटाले की विस्तृत जानकारी दी गई। पीडीए ऑडिट रिपोर्ट गांव-गांव तक पहुंचाएंगे।

बुलडोजर से गैर बराबरी खत्म करे सरकार

उन्होंने कहा कि संविधान का प्रावधान लागू करवाने के लिए अगर कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़े तो समझ लेना चाहिए सरकार पक्षपाती है। जो पक्षपाती होता है वह विश्वासघाती भी होता है। अगर भाजपा सरकार को बुलडोजर का प्रयोग करना है तो गैर बराबरी की ऊंची-नीची जमीन को समतल करे। वर्चस्ववादी आरक्षण मार रहे हैं। एनएफएस से वंचित वर्ग को नकार रहे हैं। इस अवसर पर सपा उपाध्यक्ष किरणमय नंदा, राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव, नेता विरोधी दल माता प्रसाद पांडेय, सांसद डिंपल यादव, सांसद अवधेश प्रसाद व नीरज मौर्या, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल आदि मौजूदा रहे।

सरकार बनने पर 90 दिन में 69 हजार अभ्यर्थियों को देंगे न्याय

सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार डाटा छिपाती है। सपा सरकार बनने पर 90 दिन के अंदर 69 हजार शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों को न्याय दिलाने और जातीय जनगणना कराने का काम करेगी। 19, 22 और 24 के चुनावों में लगातार समाजवादी पार्टी और पीडीए का ग्राफ बड़ा है। वहीं, भाजपा का ग्राफ लगातार नीचे जा रहा है। सपा कार्यकर्ता अगर हर बूथ पर पांच-पांच वोट बड़ा लेंगे तो 27 में भाजपा का कहीं पता नहीं चलेगा।

बसपा 24 मई को करेगी बड़ी बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी में बड़ा फेरबदल किया गया है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने दो दिन पहले दिल्ली से लौटने के बाद बरेली और झांसी मंडल के प्रभारी रह चुके अखिलेश

» कई मंडल अध्यक्षों को बदलने की तैयारी

अंबेडकर को लखनऊ मंडल का मुख्य प्रभारी बनाया है। वहीं पार्टी प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल को प्रयागराज की जगह कानपुर मंडल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं नौशाद अली को कानपुर से हटाकर चित्रकूट मंडल की जिम्मेदारी दी गई है। लालाराम को झांसी से हटाकर कानपुर मंडल संभालने को कहा गया है।

बसपा सुप्रीमो ने विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत ये फेरबदल अंजाम दिए हैं। जल्द ही कई जिलाध्यक्षों को भी हटाने की तैयारी है। पार्टी तीन राज्यों में मिली करारी शिकस्त के बाद यूपी और उत्तराखंड में संगठन के कील-कांटे दुरुस्त करने में जुट गई है। सूत्रों के मुताबिक बसपा सुप्रीमो आगामी 23 या 24 मई को पार्टी पदाधिकारियों की बड़ी बैठक बुलाने वाली हैं, जिसमें विधानसभा चुनाव की तैयारियों और संगठन के कार्यों से संबंधित अहम दिशा-निर्देश दिए जा सकते हैं। वहीं जिन जिलों में पार्टी ने प्रभारी बनाए हैं, उन्हें प्रत्याशी घोषित करने के बारे में भी फैसला लिया जा सकता है। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद भी शामिल हो सकते हैं। इस दौरान आकाश के यूपी के चुनावी दौरे का कार्यक्रम भी तय किया जा सकता है।

कर्नाटक में पार्टी के भीतर सत्ता संघर्ष की बातें सिर्फ अफवाह: डीके शिवकुमार

» कांग्रेस अध्यक्ष खरगे से मिलने पर उपमुख्यमंत्री ने दी सफाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ उनकी बातचीत पार्टी और शासन को मजबूत करने पर केंद्रित थी। उन्होंने कर्नाटक में पार्टी के भीतर सत्ता संघर्ष की अफवाहों को खारिज कर दिया। शिवकुमार ने यह भी कहा कि अगर वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी उन्हें आमंत्रित करते हैं तो वे दिल्ली भी जाएंगे।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, खबरें आ रही हैं कि राज्य नेतृत्व के मुद्दे पर नए सिरे से अटकलों के बीच खरगे ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और शिवकुमार से मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक, खरगे सिद्धारमैया, शिवकुमार और अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ तिरुवनंतपुरम से बेंगलुरु गए। बाद में सोमवार को उन्होंने राज्य के ऊर्जा मंत्री के. जे. जॉर्ज के आवास पर चर्चा

की। पिछले कुछ महीनों में सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच सत्ता संघर्ष की खबरें बार-बार सामने आई हैं। कांग्रेस सरकार के पिछले साल नवंबर में ढाई साल पूरे होने के बाद सत्ता-साझाकरण का मुद्दा और भी गंभीर हो गया।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, केरल से लौटने के तुरंत बाद जॉर्ज के आवास पर अनौपचारिक बैठक हुई। केरल में नई कांग्रेस सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के बाद दोनों नेता लौटे थे। शिवकुमार ने पत्रकारों से कहा कि कल आप सभी नेतृत्व संबंधी मुद्दों पर खबरें लिख रहे थे। हम पार्टी को मजबूत करने और उसे सत्ता में वापस लाने के तरीकों पर चर्चा कर रहे थे। खरगे और सिद्धारमैया के साथ अपनी बैठक के दौरान हुई आंतरिक चर्चाओं के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा कि आप सभी अलग-अलग कहानियां लिख रहे हैं। हमने राजनीति और शासन पर चर्चा की। बस इतना ही। शिवकुमार ने कहा कि अगर मुझे बुलाया गया तो मैं जाऊंगा। उन्होंने कहा है कि वे मुझे बुलाएंगे। निश्चित रूप से मैं जाऊंगा। उन्होंने आगे कहा कि हो सकता है कि वे मुझे इस महीने के अंत तक बुला लें। मधुगिरी के कांग्रेस विधायक और पूर्व सहकारिता मंत्री केएन राजन्ना द्वारा दिए गए उस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कि अगर नेतृत्व में बदलाव होता है तो राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर को मुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिए, शिवकुमार ने सिद्धारमैया को हटाने के बारे में किसी भी चर्चा से इनकार किया।

गुणात्मक शिक्षा पर काम कर रही कांग्रेस: सीएम सुक्खू

» मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह बोले- भाजपा सिर्फ संस्थान खोलने में जुटी रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा मंत्रालय की ओर से जारी परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स 2.0 रिपोर्ट में विद्यार्थियों को गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने में प्रदेश को देशभर में छठा स्थान प्राप्त होने पर बधाई दी है। इस रिपोर्ट के अनुसार हिमाचल प्रदेश सात अंकों की छलांग लगाकर 13वें स्थान से छठे स्थान पर पहुंच गया है, जबकि राज्यों की श्रेणी में हिमाचल प्रदेश तीसरे नंबर पर है।

सुक्खू ने कहा कि यह उपलब्धि वर्तमान कांग्रेस सरकार की ओर से शिक्षा के क्षेत्र में लाए गए विभिन्न सुधारों, गुणात्मक शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण और स्कूलों में सुविधाओं के विस्तार के कारण संभव हो पाई है। पिछली भाजपा सरकार का फोकस सिर्फ बिना बजट और बिना स्टाफ के स्कूल खोलने पर रहा, जबकि कांग्रेस सरकार

गुणात्मक शिक्षा पर ध्यान दे रही है, ताकि गांव में पड़ने वाले विद्यार्थियों को भी बेहतर शिक्षा मिल सके। पिछली भाजपा सरकार ने शिक्षा क्षेत्र की अनदेखी की, जिससे प्रदेश में शिक्षा के स्तर में गिरावट आई। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आते ही विद्यार्थियों को गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने के लिए शिक्षा के क्षेत्र में अनेक सुधारात्मक कदम उठाए हैं। सरकार शिक्षकों के पदों को प्राथमिकता के आधार पर भर रही है, ताकि शिक्षकों की कमी के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। 156 विद्यालयों को सीबीएसई पैटर्न से संबद्ध किया जा रहा है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

बसपा-कांग्रेस गठबंधन कोशिशों पर पार्टी नेता दे रहे हैं सफाई

बसपा को इंडिया गठबंधन में शामिल करवाने के इरादे से मिलने की कोशिश की : कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस एससी-एसटी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम और सांसद तनुज पुनिया ने मंगलवार को मायावती से मिलने का प्रयास कर दोनों दलों के बीच दूरियों को बढ़ा दिया।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी इसे लेकर लगातार सफाई दे रहे हैं। बसपा के वरिष्ठ नेताओं के मुताबिक कांग्रेस का यह कदम सुनियोजित था ताकि मायावती पर गठबंधन करने का दबाव बनाया जा सके। बसपा सुप्रीमो रविवार को दिल्ली से राजधानी वापस आ गई थीं, जिसके बाद वह लगातार पार्टी नेताओं से मिल रही थीं। मंगलवार को भले ही उनके आवास से कांग्रेस नेताओं को वापस कर दिया गया लेकिन बुधवार को उन्होंने बसपा की लालगंज सीट से पूर्व लोकसभा प्रत्याशी इंदु चौधरी से मुलाकात की। वहीं दूसरी ओर पार्टी नेताओं का कहना है कि कांग्रेस का यह कदम बसपा को इंडिया गठबंधन में शामिल करने के लिए उठाया गया था ताकि विधानसभा चुनाव में बसपा के साथ मिलकर भाजपा का मुकाबला किया जा सके। हालांकि यह पहल कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं द्वारा की जाती तो इसके दूसरे परिणाम भी हो सकते थे। बता दें कि मायावती के दिल्ली प्रवास के दौरान भी उनकी प्रियंका गांधी से मुलाकात की अफवाह फैली थी। इससे पहले लोकसभा चुनाव 24 में भी कांग्रेस ने बसपा को अपने साथ लाने की कवायद की थी, लेकिन मायावती ने अकेले चुनाव लड़ने का फैसला लिया था।

एक बार सियासी सुगबुगाहट से सराबोर हुआ दक्षिण

डीएमके बोली- जल्द गिर जाएगी टीवीके सरकार

स्टालिन ने चुनावी हार के कारणों का किया विश्लेषण

» तेलंगाना के सीएम के बीजेपी में आने की चर्चा जोरों पर

» भाजपा नेता बंदीकुमार बेटे को लेकर मुश्किल में आए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। दक्षिण भारत से एकबार फिर सियासी हलचल की आहट सुनाई दे रही है। एक तरफ जहां डीएमके टीवीके सरकार को जल्द गिरने की भविष्यवाणी कर रहे हैं तो दूसरी तरह सीएम विजय एलटीटीई चीफ प्रभाकरण को श्रद्धांजलि दे कर विवादों को जन्म दे चुके हैं। वहीं तेलंगाना में हाल ही में पीएम मोदी की यात्रा के बाद से वहां यह सुगबुगाहट हो रही है कि कांग्रेस के सीएम रेवंत रेड्डी भाजपा में जा रहे हैं।

हालांकि इन खबरों को अफवाह बताई जा रही है। पर आग लगी है तो धुआ उठेगा ही। डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन का मानना है कि अभिनेता विजय के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार कभी भी गिर सकती है। पूर्व मुख्यमंत्री ने डीएमके कार्यकर्ताओं से जल्द चुनाव के लिए तैयार रहने का आग्रह भी किया है। अपनी 107 सीटों और सहयोगी कांग्रेस की 5 सीटों के साथ टीवीके को फिलहाल डीएमके के चार सहयोगियों का समर्थन प्राप्त है, जिनमें से प्रत्येक के पास 2 सीटें हैं। इस प्रकार उसे बहुमत हासिल है। मुख्यमंत्री जोसेफ विजय को एआईएडीएमके के 25 बागी विधायकों का भी समर्थन प्राप्त है, जिन्होंने पिछले हफ्ते विश्वास मत के दौरान सरकार के पक्ष में मतदान किया था।

सोशल मीडिया हैंडल्स पर करें राजनीतिक चर्चा

उन्होंने पार्टी से सोशल मीडिया पर अपनी मौजूदगी बढ़ाने का भी आग्रह किया और इशारों-इशारों में यह भी कहा कि विजय की टीवीके इस मामले में काफी आगे है। स्टालिन ने कहा, जिस राजनीति पर हम कभी चाय की दुकानों पर चर्चा करते थे, अब उस पर सोशल मीडिया हैंडल्स पर बात होनी चाहिए। करने और जनता से सीधे फीडबैक लेने के लिए 36 सदस्यों वाली एक समिति भी बनाई है। इस कदम को जमीनी स्तर पर विश्वास फिर से जगाने और यह पता लगाने की एक कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है कि पार्टी का समर्थन कहां कम हुआ।

हम वापसी करेंगे और फिर जीतेंगे : स्टालिन

पूर्व सीएम ने कहा, यह हार अस्थायी है। मौजूदा सरकार कभी भी गिर सकती है। तैयार रहें। ऐसी संभावना है कि 2029 के लोकसभा चुनावों के साथ ही विधानसभा चुनाव भी दोबारा हो सकते हैं। हम वापसी करेंगे और फिर से जीतेंगे। डीएमके कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए स्टालिन ने जोर देकर कहा, तमिलनाडु में सूरज (डीएमके का चुनाव चिह्न) कभी अस्त नहीं होगा। हार की जिम्मेदारी लेते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वे इस असफलता के लिए जवाबदेही और जिम्मेदारी स्वीकार करते हैं।

अगले शुभेंदु अधिकारी बनेंगे रेवंत रेड्डी : धर्मपुरी अरविंद

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को लेकर सियासी अटकलें लगने लगी हैं। शुरुआत पीएम मोदी की मुझसे ही जुड़ें वाली टिप्पणी से हुई थी और अब भाजपा के एक सांसद ने भी रेवंत रेड्डी को लेकर चौंकाने वाला दावा कर दिया है। निजामाबाद से भाजपा सांसद धर्मपुरी अरविंद ने दावा किया है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी अगले शुभेंदु अधिकारी बन सकते हैं। धर्मपुरी अरविंद ने दावा किया कि रेड्डी राजनीतिक पाला बदल सकते हैं। भाजपा सांसद ने कहा कि रेवंत वैसे ही पाला बदलेंगे, जैसे बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने छह साल पहले तृणमूल कांग्रेस छोड़कर BJP में शामिल होते समय किया था। हालांकि उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस ने रेवंत रेड्डी को मुख्यमंत्री चुनकर गलती की है, क्योंकि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को नजरअंदाज कर दिया गया। भाजपा सांसद ने कहा कि अगले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को तेलंगाना में बड़ी हार का सामना करना पड़ेगा। इन कयासों को इसलिए भी बल मिल रहा है, क्योंकि अभी कुछ दिन पहले हैदराबाद में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री से कहा था- आप जहां पहुंचना चाहते हैं, वहां नहीं पहुंच पाएंगे। अच्छा है कि मुझसे ही जुड़ें।

इस तरह गिर सकती है विजय की सरकार?

डीएमके सूत्रों का कहना है कि अगर उसके सहयोगी दल वीसीके, सीपीआई, सीपीएम और आईयूएमएल अपना समर्थन वापस लेने का फैसला करते हैं या अगर तमिलनाडु के स्पीकर या अदालतें एआईएडीएमके के बागी विधायकों को अयोग्य घोषित कर देती हैं तो राजनीतिक अस्थिरता पैदा हो सकती है। स्टालिन ने अपने जिला सचिवों से कहा है, मौजूदा सरकार कभी भी गिर सकती है और पार्टी को कभी भी चुनावों के लिए तैयार रहना चाहिए। यह बताते हुए कि अतीत में चुनावी झटकों से डीएमके ने किस तरह वापसी की है, पूर्व मुख्यमंत्री ने अपनी पार्टी से कहा कि वे एक बार फिर विजयी होंगे।

बीजपी ने केसीआर पर किया हमला

उन्होंने सवाल किया कि क्या उन घटनाओं के समय केसीआर ने इस्तीफा दिया था? क्या केटीआर (केटी रामाराव) ने जिम्मेदारी ली थी? क्या तब किसी ने राजनीतिक नैतिकता दिखाई थी? अब भाजपा को निशाना बनाना राजनीतिक लाभ के लिए जनता को गुमराह करने का एक स्पष्ट प्रयास मात्र है। भाजपा के राज्य कार्यालय में आगामी पार्टी कार्यक्रमों की समीक्षा के लिए आयोजित एक तैयारी बैठक को संबोधित करते हुए रामचंदर राव ने आरोप लगाया कि बीआरएस शासन के दौरान महिलाओं के खिलाफ अपराधों में भारी वृद्धि हुई है। एनसीआरबी के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि तेलंगाना में महिलाओं के खिलाफ दर्ज अपराध 14 में 14,147 थे और 23 तक बढ़कर 23,679 हो गए, जो लगभग 67 प्रतिशत की वृद्धि है। उन्होंने कहा कि बीआरएस नेतृत्व को इसके लिए जवाब देना होगा। उन्होंने कहा कि दूसरों को उपदेश देने से पहले, बीआरएस नेताओं को अपने शासनकाल में घटी घटनाओं के लिए जवाब देना होगा। पूर्व एमएलसी ने कहा कि यह हास्यास्पद है कि कालेश्वरम परियोजना में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की जांच शुरू होने पर अदालतों का रुख करने वाले लोग अब दूसरों को नैतिकता का उपदेश दे रहे हैं।

भाजपा के मंत्री से बीआरएस ने मांगा इस्तीफा

बेटे पर लगे पॉक्सो आरोपों को लेकर मंत्री बंदी संजय कुमार के इस्तीफे की मांग पर बीजेपी ने पलटवार किया है। पार्टी ने बीआरएस से सवाल किया कि क्या शराब घोटाले में बेटी का नाम आने पर तत्कालीन मुख्यमंत्री केसीआर ने इस्तीफा दिया था, और अपने शासनकाल में बढ़े महिला अपराधों पर बीआरएस के नैतिक अधिकार पर सवाल उठाया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने सोमवार को इस बात पर जोर देते हुए कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता से जुड़े शराब घोटाले में गंभीर आरोप सामने आने के बावजूद बीआरएस नेतृत्व ने इस्तीफा नहीं दिया। उन्होंने कहा कि अगर गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने कुछ भी गलत किया है, तो पार्टी उनके खिलाफ कार्रवाई करेगी। बीआरएस नेताओं द्वारा संजय को केंद्रीय मंत्रिमंडल से हटाने की मांग को खारिज करते हुए रामचंद्र राव ने भाजपा पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस के कई पार्षदों, नेताओं और वार्ड सदस्यों को उनके कार्यकाल के दौरान बलात्कार, उत्पीड़न और नाबालिगों पर हमले के मामलों में गंभीर आरोपों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि युवा महिलाओं को नशीली दवा देकर अगवा करने और निर्मल नगरपालिका में एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार के मामलों में टीआरएस (अब बीआरएस) के नेताओं और सहयोगियों के नाम सामने आए हैं। ऐसे काले इतिहास के साथ, आज महिलाओं के अधिकारों और नाबालिगों की सुरक्षा के बारे में बोलने का बीआरएस को क्या नैतिक अधिकार है?

जिसने कराई राजीव की हत्या, विजय ने दी उसको श्रद्धांजलि

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और टीवीके प्रमुख सी. जोसेफ विजय ने श्रीलंका के तमिलों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए श्रीलंका के मुल्लीवाइकल की घटना का जिक्र किया, जहां लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम के संस्थापक और दुनिया के सबसे क्रूर गुरिल्ला नेताओं में से एक वेलुपिल्लई प्रभाकरन को 18 मई, 9 को श्रीलंकाई सेना ने मार गिराया था। एक्स पर एक पोस्ट में विजय ने कहा कि हम मुल्लीवाइकल की यादों को अपने दिलों में संजोकर रखेंगे! हम समुद्र पार रहने वाले अपने तमिल भाइयों के अधिकारों के लिए हमेशा एकजुटता से खड़े रहेंगे! विजय की ये टिप्पणियां ऐसे समय में आईं जब 18 मई को वैश्विक स्तर पर रहने वाली श्रीलंकाई तमिल आबादी और भारत में रहने वाले तमिलों के कुछ वर्गों द्वारा मुल्लीवाइकल स्मरण दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसका नाम उस स्थान के नाम पर रखा गया है। बता दें कि मुल्लीवाइकल में ही 9 में इसी दिन श्रीलंकाई सेना ने उन्हें गोली मार दी थी। तमिल नरसंहार स्मरण दिवस के रूप में भी मनाया जाने वाला यह दिन 2009 में श्रीलंका के गृहयुद्ध के अंतिम चरण को चिह्नित करता है और 26 वर्षों तक चले गृहयुद्ध के अंतिम चरण में मुल्लीवाइकल के तटीय गाँव में मारे गए, घायल हुए या लापता हुए हजारों तमिल नागरिकों की याद में मनाया जाता है। 1991 में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या में अपनी भूमिका के कारण एलटीटीई भारत में एक प्रतिबंधित संगठन बना हुआ है, जिसमें एलटीटीई प्रमुख को मुख्य आरोपी बनाया गया था। श्रीलंका में संघर्ष, जो भेदभाव का आरोप लगाते हुए श्रीलंकाई तमिलों के लिए एक अलग मातृभूमि की मांग से शुरू हुआ था, बाद में लगभग तीन दशकों तक चलने वाले एक लंबे जातीय संघर्ष में बदल गया। तमिलनाडु में राजनीतिक दलों द्वारा तमिलों के साथ संबंध सुधारने के प्रयासों में प्रभाकरन का संघर्ष अवसर प्रासंगिक बना रहता था, हालांकि एआईएडीएमके और डीएमके जैसी मुख्यधारा की द्रविड़ पार्टियां इस मुद्दे पर विशेष रूप से 1991 में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के बाद सतर्कता बरतती रहीं। हालांकि, विजय जैसी नई पार्टियों ने अतीत में तमिल प्रथम की पहचान को उजागर करने के लिए प्रभाकरन का जिक्र किया है। विजय की अल्पमत सरकार को डीएमके की सहयोगी विदुथलाई विरुथाइगल कच्ची का बाहरी समर्थन प्राप्त है, जो एलटीटीई समर्थक रुख के लिए जानी जाती है।

चुनावों से पहले, विजय ने प्रभाकरन की तुलना श्रीलंकाई तमिलों के लिए एक माँ के समान किया था

तमिलनाडु चुनावों से पहले, विजय ने प्रभाकरन की तुलना श्रीलंकाई तमिलों के लिए एक माँ के समान बताते हुए विवाद खड़ा कर दिया था, जिन्होंने उन पर मातृ प्रेम बरसाया था। हालाँकि हाल के विधानसभा चुनावों में श्रीलंकाई तमिल मुद्दा एक प्रमुख राजनीतिक मुद्दा नहीं बन पाया, फिर भी विजय ने प्रभाकरन को श्रद्धांजलि देने का अवसर नहीं छोड़ा। सितंबर 25 में नागपट्टिनम जिले में बोलते हुए उन्होंने कहा, हमारे नाभि-संबंधी रिश्तेदार, ईलम तमिल, चाहे वे श्रीलंका में हों या दुनिया में कहीं और एक ऐसे नेता को खोने के बाद दुखी हैं जिन्होंने उन्हें माँ जैसा स्नेह दिया। उन्होंने आगे कहा कि उनके लिए आवाज उठाना हमारा कर्तव्य है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सरकारी स्कूलों की व्यवस्था में सुधार जरूरी

आजकल देश के अलग-अलग राज्यों के बोर्ड रिजल्ट निकल रहे हैं। इंटर व हाईस्कूल की परीक्षाओं में जहां लड़कियों ने हर तरफ परचम लगराया है। वहीं सरकारी स्कूलों के छात्रों न अभूतपूर्व प्रदर्शन किया। शिक्षा के रणनीतिकारों कहा है कि सरकारी स्कूलों में व्यवस्था सुधरे, तो और भी अच्छे आएंगे नतीजे इसी के तहत यूपी से कर छत्तीसगढ़ बोर्ड की परीक्षा परिणामों ने जगाई उम्मीद की किरण। निजी के बजाय सरकारी स्कूलों के परीक्षा परिणाम बेहतर आए हैं। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल (सीजी बोर्ड) की कक्षा दसवीं और बारहवीं के परीक्षा परिणाम गत दिवस घोषित किए गए। दोनों बोर्ड परीक्षाओं के नतीजे में पिछले वर्ष की तुलना में सुधार हुआ है। दसवीं बोर्ड में जहां पिछले वर्ष 76.53 प्रतिशत परीक्षार्थी सफल हुए थे, वहीं इस वर्ष 77.15 प्रतिशत परीक्षार्थियों ने सफलता हासिल की, जोकि 0.62 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह, बारहवीं बोर्ड में पिछले वर्ष सफलता का प्रतिशत 81.87 प्रतिशत था, जो इस वर्ष 1.17 प्रतिशत बढ़कर 83.04 प्रतिशत रहा।

बोर्ड परीक्षाओं के नतीजों में हुआ यह सुधार शैक्षणिक कार्यों में किए गए प्रयासों की वजह से है। इसमें एक खास बात यह है कि निजी के बजाय सरकारी स्कूलों के परीक्षा परिणाम बेहतर आए हैं। सरकार अगर इसी तरह सरकारी स्कूलों की व्यवस्थाओं में गुणात्मक सुधार के निरंतर प्रयास करे, तो और भी अच्छे नतीजे आगामी वर्षों में प्राप्त हो सकेंगे। क्योंकि सरकारी स्कूलों में अव्यवस्थाओं और शिक्षक-शिक्षिकाओं की कमी की वजह से अध्ययन-अध्यापन ठीक से नहीं हो पाता है। वहीं, अशैक्षणिक कार्यों में शिक्षक-शिक्षिकाओं की ड्यूटी लगने से भी पढ़ाई प्रभावित होती है। इन सब वजहों से अभिभावकों का सरकारी स्कूलों से मोहभंग हो गया है और वे अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने के लिए मजबूरन निजी स्कूलों की शरण में जा रहे हैं। निजी स्कूल वाले अभिभावकों की इसी मजबूरी का फायदा उठाते हैं और मनमानी फीस वसूली से लेकर तमाम तरह के शुल्क लेते हैं। निजी स्कूल एक तरह से शिक्षा की बजाय पैसे कमाने का जरिया बन गए हैं। निजी स्कूलों की चकाचौंध में अभिभावक फंसते जा रहे हैं। सरकार अगर सरकारी स्कूलों का वैभव लौटाना चाहती है, तो उसे इनमें शैक्षणिक गतिविधियों पर ही ध्यान देना होगा। उनमें सुधार करना होगा। इससे सभी बच्चों को सस्ती और सुलभ शिक्षा उपलब्ध हो सकेगी। पूरे देश की शिक्षा व्यवस्था को सुधारना है तो सरकारी स्कूलों के स्तर को सुधारना होगा वहां के अध्यापकों को प्रशिक्षित करना होगा की वह ऐसे छात्रों को पढ़ाए ताकि व नीजि स्कूलों को पछाड़ पाएं।

“ सरकारी स्कूलों के छात्रों न अभूतपूर्व प्रदर्शन किया। शिक्षा के रणनीतिकारों कहा है कि सरकारी स्कूलों में व्यवस्था सुधरे, तो और भी अच्छे आएंगे नतीजे इसी के तहत यूपी से कर छत्तीसगढ़ बोर्ड की परीक्षा परिणामों ने जगाई उम्मीद की किरण।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

दिखावा नहीं हकीकत बने बदलाव की मुहिम

विवेक शर्मा

ऊर्जा संकट, बढ़ती ईंधन कीमतों और संसाधनों के संयमित उपयोग की जरूरत के बीच देश में वीआईपी संस्कृति को लेकर एक नई बहस छिड़ गई है। प्रधानमंत्री ने पेट्रोल और डीजल की खपत कम करने की अपील करते हुए अपने दौरों के दौरान काफिले में शामिल वाहनों की संख्या घटाने की पहल की है। इसके साथ ही उन्होंने अनावश्यक यात्राओं को कम करने और जहां संभव हो, डिजिटल माध्यमों तथा वर्चुअल बैठकों के अधिक उपयोग पर जोर दिया है। इसके बाद देशभर में नेताओं के बीच सादगी प्रदर्शित करने की मानो प्रतिस्पर्धा शुरू हो गई। कई नेता सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करते दिखाई दिए, तो कई ने अपने काफिलों में वाहनों की संख्या घटाने की घोषणा की। विभिन्न प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों ने भी अपने काफिलों में कटौती की बात कही है।

लंबे समय से देश में वीआईपी संस्कृति को लेकर भारी असंतोष रहा है। आम लोगों के लिए ट्रैफिक रोक देना, दर्जनों गाड़ियां का काफिला, सायरन और भारी सुरक्षा व्यवस्था असमानता का प्रतीक माने जाते रहे हैं। ऐसे में यदि राजनीतिक नेतृत्व सादगी का संदेश देता है, तो यह स्वाभाविक रूप से लोगों को आकर्षित करता है। इसलिए प्रधानमंत्री की पहल को राजनीतिक व्यवहार में बदलाव के संदेश के रूप में भी देखा जाना चाहिए। इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। असल सवाल यह है कि क्या यह बदलाव वास्तविक है या केवल प्रतीकात्मक? जब कोई नेता सार्वजनिक परिवहन में सफर करता दिखाई देता है, तो उसके सुरक्षाकर्मी और सहयोगी अक्सर पीछे दूसरी गाड़ियों में चलते रहते हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या वास्तव में ईंधन की बचत हो रही है या केवल राजनीतिक संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है। जिस देश में आम नागरिक पेट्रोल और डीजल के लिए सौ रुपये से अधिक चुका रहा है, वहां नेताओं के काफिलों पर लाखों रुपये का ईंधन खर्च होना जनता को स्वाभाविक रूप से अखरता है। आज का मतदाता पहले की तुलना में कहीं अधिक जागरूक है।

वह समझता है कि कौन-सा कदम वास्तविक सुधार की दिशा में है और कौन-सा केवल प्रचार के लिए किया गया प्रदर्शन है। आज राजनीति का बड़ा हिस्सा दृश्य संदेशों पर आधारित हो चुका है। चुनौती यह है कि यह संदेश व्यावहारिक बदलाव में कितना बदलता है। यह भी सच है कि सुरक्षा को पूरी

तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। संवैधानिक पदों पर बैठे नेताओं की सुरक्षा राष्ट्रीय जिम्मेदारी होती है। इसलिए केवल काफिला छोटा कर देना ही समाधान नहीं माना जा सकता। असली चुनौती यह है कि तकनीक और स्मार्ट सुरक्षा प्रबंधन के जरिये सुरक्षा और सादगी के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। वीआईपी संस्कृति केवल नेताओं तक सीमित नहीं है। कई वरिष्ठ अधिकारियों के काफिले भी किसी मंत्री से कम नहीं होते। सरकारी बैठकों, निरीक्षणों और दौरों के दौरान बड़ी संख्या में गाड़ियां उपयोग में लाई जाती हैं। यदि ईंधन बचत की यह मुहिम सचमुच गंभीर है, तो पूरे प्रशासनिक ढांचे को इसके दायरे में लाना होगा। ऊर्जा बचत के इस अभियान में डिजिटल कार्य संस्कृति भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। आज भी कई प्रशासनिक बैठकें और विभागीय चर्चाएं ऑनलाइन माध्यम से की जा सकती हैं। यदि मंत्री और अधिकारी अनावश्यक यात्राओं को कम कर डिजिटल बैठकों को बढ़ावा दें, तो इससे न केवल ईंधन की बचत होगी, बल्कि समय और सरकारी खर्च में भी भारी कमी आएगी। यह मुद्दा केवल पेट्रोल और डीजल बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि पर्यावरण और अर्थव्यवस्था से भी जुड़ा हुआ है। भारत अपनी जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है, जिस पर हर साल अरबों रुपये की विदेशी मुद्रा खर्च होती है। बड़े वीआईपी काफिले न केवल ईंधन की भारी खपत करते हैं, बल्कि बड़े पैमाने पर कार्बन उत्सर्जन बढ़ाकर पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाते हैं। विकसित देशों में राजनीतिक सादगी को प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा माना जाता है।

भारत जैसे विकासशील देश में, जहां आम आदमी महंगे ईंधन से परेशान हैं, वहां वीआईपी संस्कृति पर नियंत्रण लोकतांत्रिक संवेदनशीलता का भी प्रश्न बन जाता है। जब कोई नेता सामान्य परिवहन का उपयोग करता दिखाई देता है, तो इससे सत्ता और जनता के बीच की मनोवैज्ञानिक दूरी कम होती है। हालांकि, यह भरोसा तभी मजबूत होगा, जब यह व्यवहार नियमित दिखे। इस मुहिम को सफल बनाने के लिए केवल सत्तापक्ष ही नहीं, बल्कि सभी राजनीतिक दलों को एकजुट होना होगा। वीआईपी संस्कृति किसी एक दल की समस्या नहीं, बल्कि दशकों पुरानी व्यवस्था है, जिसे बदलने के लिए सामूहिक इच्छाशक्ति चाहिए।

सुपरफूड बनते ही खास हो जाता है आम का खाना

क्षमा शर्मा

हरियाणा में रहने वाले निकट के परिवार की बहू का बचपन कोलकाता में बीता है। गुड़गांव में एक बहुराष्ट्रीय निगम में काम करती है, लेकिन नाश्ते में उसकी पहली पसंद झालमूड़ी है। एक बार बहुत साल पहले कोलकाता गई थी, तो झाझा स्टेशन पर लौकी के बराबर का खीरा और झालमूड़ी भी खाई थी। यह इतनी पसंद आई कि कोलकाता में हर दिन इसे खाती रही। यों भी कोलकाता में शाकाहारियों के लिए जगह-जगह मिलता यह खाद्य पदार्थ बहुत सुविधाजनक भी होता है। बंगाल के अलावा बिहार, झारखंड, उड़ीसा, महाराष्ट्र आदि में भी यह लोकप्रिय खाना है। सड़क-सड़क इसे बिकते देखा जा सकता है। दिल्ली में भी खूब मिलता है। दस-बीस रुपये जेब पर भारी भी नहीं होते। साथ ही कम कैलोरी होने के कारण स्वास्थ्यवर्धक भी माना जाता है।

भुने हुए चावल यानी कि मुरमुरे, जिन्हें देश के अलग-अलग भागों में कहीं लाई तो कहीं चिड़वा नाम से पुकारा जाता है। और भी बहुत से नाम होंगे। इनके साथ प्याज, टमाटर, हरी मिर्च, धनिया, चटनी, नींबू, कच्चा सरसों का तेल और मसालों के साथ इसे बनाया जाता है। बहुत से स्थानों पर इसे भेलपूरी भी कहते हैं। घर में बनाकर भी इसे लोग खूब खाते हैं। यह सस्ता और पेट भराऊ भी होता है। कहते हैं कि इसे खाने-बनाने की शुरुआत उन्नीसवीं सदी में हुई थी। बहुत से अंग्रेज भी इसे स्वाद लेकर खाते थे। जब से प्रधानमंत्री मोदी ने कोलकाता के दुकानदार विक्रम शा की दुकान से दस रुपये की झालमूड़ी खाई, तब से इंटरनेट पर इसे खोजने वालों की बाढ़ आ गई। मोदी ने इस घटना को एक्स पर पोस्ट भी किया था। वह शाकाहारी हैं, मछली खा नहीं सकते थे, इसलिए इसे खाकर बंगालवासियों को संदेश दिया था कि उन्हें उनके खाने-पीने से कोई परहेज नहीं है। क्योंकि इसी तरह का प्रचार विरोधी पक्ष के द्वारा किया जा रहा था कि लोगों से उनका खाना तक छीन लिया जाएगा। इस घटना को सौ मिलियन व्यूज मिले थे। इंटरनेट पर छा गया था। शायद इसलिए भी कि इस तरह की घटनाएं कभी-कभी ही होती हैं।

दुकानदार विक्रम शा का कहना भी है कि उन्हें अंदाजा तक नहीं था कि कभी कोई प्रधानमंत्री, उन जैसे मामूली व्यक्ति की दुकान पर आ सकते हैं। लेकिन उन्हें इस बात का दु:ख है कि वह इतना घबरा गए कि जिंदगी का एक सुनहरा मौका खो दिया, जो अब कभी नहीं मिलेगा। वह मौका था-प्रधानमंत्री के हस्ताक्षर लेने का। गया, बिहार के रहने वाले विक्रम की दुकान रातोंरात मशहूर हो गई है। दूर-दूर से इसे देखने लोग आ रहे हैं। ज्यादा से ज्यादा लोग उनके बारे में जानना चाहते हैं। बिक्री भी खूब हो रही है। उनके नाते-रिश्तेदार, गांव के लोग, इतनी बधाइयां दे रहे हैं कि फोन बजना ही बंद नहीं हो रहा। हालांकि, विक्रम के खिलाफ यह प्रचार भी किया गया था कि वह तो एक कमांडो हैं और यह घटना पहले से तैयार की गई थी। रातोंरात दुकान बनाई गई थी, जबकि विक्रम का कहना है कि वह तो बहुत दिनों से ये काम करते हैं। और कोई कमांडो नहीं, मामूली से दुकानदार हैं।

कैसे कोई घटना के वक्त संस्कृति, खानपान की आदतें देखकर, बहुत-सी कम्पनियां भी मैदान में कूद पड़ती हैं। वे किसी भी प्रसिद्धि को खूब भुना लेती हैं। बहुत-सी मशहूर कम्पनियां अब झालमूड़ी को पैकेट बंद खाने की तरह प्रस्तुत कर रही हैं। पांच, दस रुपये से लेकर पचहत्तर रुपये तक के पैकेट्स पेश किए जा रहे हैं। विदेश में रहने वाले एक लड़के ने बताया कि वहां के इंडियन स्टोर्स पर इसकी मांग बढ़ी है, इसलिए दुकानदार भारत से मंगा रहे हैं। हो सकता है कि दूसरे देशों में भारतीय और बहुत से विदेशी भी इसे खाना चाहेंगे। दशकों पहले अमेरिका की टाइम पत्रिका ने भारत के स्ट्रीट फूड पर एक लम्बा लेख छापा था। इसमें बताया गया था कि अपने यहां सड़क किनारे मिलने वाली खाद्य सामग्री स्वादिष्ट और उच्चकोटि की होती हैं। जिस तरह से इन दिनों झालमूड़ी चर्चा में है, वह बात हैरत में भी डालती है। पहले कोई ऐसी घटना होती थी, तो कुछ ही लोगों को पता चलती थी। लेकिन अब तो मीडिया और सोशल मीडिया के जरिए यह पल की पल में न केवल अपने देश में बल्कि दुनियाभर में पहुंच जाती है। ऐसे में यह भी लग रहा है कि कहीं अतंर्राष्ट्रीय कम्पनियां इस मामले में न कूद पड़ें और इसे सुपरफूड साबित कर दें। जैसे ही किसी खाद्य पदार्थ को सुपरफूड घोषित किया जाता है, वह अक्सर आम आदमी की पहुंच से दूर हो जाता है।

कुछ दिन पहले करौंदा को सुपरफूड घोषित किया गया है। अपने गांवों में करौंदे की झाड़ियां यों ही उग आती हैं। गुलाबी, सफेद, कहीं-कहीं हरे, लाल रंग के ये नन्हे फल बहुत खट्टे होते हैं। इन्हें मिर्च के साथ छौंककर, अचार डालकर, चटनी बनाकर या सब्जी, दाल में डालने के लिए सुखाकर, खटाई के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है। पकने पर इसे चिड़ियां और बंदर भी खूब खाते हैं, क्योंकि तब इसका स्वाद खट्टा-मीठा हो जाता है। जब से इसे सुपरफूड घोषित किया गया है, यह बेहद महंगा हो गया है। दिल्ली में कई बार चार सौ रुपये किलो तक मिलता है। इसे सुपरफूड बनाने में कारण गिनाए गए हैं कि यह इम्यून सिस्टम को ताकतवर बनाता है। एंटी आक्सीडेंट यानी कि विषैले तत्वों का शरीर में नाश करता है। दिल के स्वास्थ्य के लिए अच्छा है। विटामिन सी, कैल्शियम, मैग्नीशियम से भरपूर है। कोलेस्ट्रोल को कम करता है। ब्लड प्रैशर घटाता है। तनाव कम करता है और त्वचा को चमकदार बनाता है। यह विदेशी बैरीज के मुकाबले भारत में आसानी से उपलब्ध है और सस्ता भी है।

खाने के शौकीन हैं तो इन देशों की करें यात्रा

अगर आप घूमने के साथ-साथ अलग-अलग स्वादों का मजा लेना पसंद करते हैं, तो दुनिया में कई ऐसे देश हैं जो अपने खाने की वजह से प्रसिद्ध हैं। हर देश का खाना उसकी संस्कृति, इतिहास और लोगों की पहचान बताता है। कहीं मसालों की खुशबू है, तो कहीं चीज़ और वाइन का जादू महसूस किया जा सकता है। अधिकतर यात्री जहां भी घूमने के लिए जाते हैं, वहां का स्थानीय स्वाद चखना पसंद करते हैं। हालांकि खाने का शौक रखने वाले, ऐसी जगहों की चयन करें, जो अपने स्वाद के लिए ही मशहूर हैं। फूड ट्रैवल न सिर्फ स्वाद बढ़ाता है, बल्कि आपको नई संस्कृति और लोगों से जोड़ता है। खाने के जरिए किसी देश को समझना सबसे मज़ेदार तरीका है।

थाईलैंड

थाई फूड अपने यूनिक फ्लेवर कॉम्बिनेशन के लिए जाना जाता है। यहां तीखा, खट्टा और मीठा फ्लेवर का खास स्वाद चखने को मिलता है। यहां का लोकप्रिय खाना पड थाई है। यह एक स्टिर-फ्राइड राइस नूडल डिश है, जो कि थाईलैंड का राष्ट्रीय नूडल व्यंजन है। टॉम यम सूप एक गर्म और खट्टा थाई सूप है। ग्रीन करी थाई व्यंजनों की सबसे प्रसिद्ध करी है, जो कि नारियल के दूध, हरी मिर्च और जड़ी-बूटियों के पेस्ट से बनी बनाई जाती है। बैंकॉक का स्ट्रीट फूड दुनियाभर में मशहूर है।

इटली

इटली का नाम आते ही पिज़्ज़ा और पास्ता याद आ जाते हैं। हम अपने देश में भले ही आसानी से पिज्जा और पास्ता खा सकते हैं, लेकिन इसका असली और पारंपरिक स्वाद इटली में चखने को मिलता है। यहां का मशहूर खाना वुड-फायर्ड पिज़्ज़ा, पास्ता और जेलाटो है। रोम और नेपल्स में स्ट्रीट फूड जरूर ट्राय करें।

जापान

जापानी खाना हेल्दी और टेस्ट में लाजवाब होता है। यहां के मशहूर व्यंजन सुशी है जो मुख्य रूप से चावल से बनने वाली इस डिश में सिरका मिला होता है। रामेन एक जापानी सूप नूडल डिश है। टेम्पुरा पकौड़ा का जापानी रूप भी माना जा सकता है। जिसमें सब्जी या सीफूड को मैदे और अंडे के घोल में डूबोकर डीप फाई करते हैं। टोक्यो के फूड मार्केट जरूर एक्सप्लोर करें।

भारत

भारत को स्वादों का खजाना कहा जाए तो गलत नहीं होगा। यहां मसालों की जादुई दुनिया देखने को मिलती है। यहां के मशहूर व्यंजन बटर चिकन, बिरयानी डोसा और छोले भटूरे हैं। भारत में हर राज्य का खाना अलग स्वाद देता है।

फ्रांस

फ्रांस का खाना अपनी प्रेजेंटेशन और टेस्ट के लिए जाना जाता है। यह लग्जरी और रोमांटिक खाने में शामिल है। फ्रांस का फेमस फूड क्रोइसैन्ट है जो एक तरह की अर्ध चंद्राकार फ्रांसीसी पेस्ट्री है। चीज़ दूध से बना पौष्टिक, प्रोटीन-युक्त खाद्य पदार्थ है। मैकरॉन जो बादाम के आटे और चीनी से बनी कुरकुरी, रंगीन फ्रांसीसी मिठाई है जिसमें क्रीम भरी होती है। पेरिस की बेकरीज़ फूड लवर्स के लिए जन्नत हैं।

हंसना मना है

बुढ़िया का दामाद बहुत काला था, सास: दामाद जी आप तो 1 महीना यहां रुको, दूध, दही खाओ मौज करो, आराम से रहो यहां, दामाद- अरे वाह सासु मां आज तो बड़ा प्यार आ रहा है मुझ पे, सास: अरे प्यार व्यार कुछ नहीं कलमुहे, वो हमारी भैंस का बच्चा मर गया है, कम से कम तुम्हें देख कर दूध तो देती रहेगी।

गर्ल- क्या कर रहे हो? बॉय- मक्खियां मार रहा हुं, गर्ल- कितनी मारी? बॉय- 3 मेल और 2 फीमेल, गर्ल- कैसे मालुम? बॉय- क्योंकि, 3 दारू की बोतल से चिपकी थी और 2 फोन से।

वाह प्रभु, अजब तेरी लीला है, चूहा बिल्ली से डरता है, बिल्ली कुत्ते से डरती है, कुत्ता आदमी से डरता है, आदमी बीवी से डरता है और बीवी चूहे से डरती है।

पति रोज किचन में जाता और चीनी का डिब्बा खोलकर देखता और फिर बंद करके रख देता, पत्नी- रोज रोज ये क्या करते रहते हो? पति- चुप कर, डॉक्टर ने कहा है, रोज अपनी शुगर चेक करते रहा करो।

संजू- पापा मुझे स्कुल छोड़ने आप क्यों आते हो? मेरे सभी दोस्तों को छोड़ने तो उनकी मम्मी आती है, पापा- बस इसीलिए बेटा।

कहानी — भगवान पर विश्वास को डिगने न दें

एक आदमी जब भी दफ्तर से वापस आता, तो कुत्ते के प्यारे से पिल्ले रोज उसके पास आकर उसे घेर लेते थे क्योंकि वो रोज उन्हें बिस्कुट देता था। एक रात जब वो दफ़्तर से वापस आया तो पिल्लों ने उसे घेर लिया लेकिन उसने देखा कि घर में बिस्कुट ओर ब्रेड दोनों खत्म हो गए हैं। रात भी काफी हो गई थी, इस समय दुकान का खुला होना भी मुश्किल ही था, सभी पिल्ले बिस्कुट का इंतजार करने लगे। उसने सोचा कोई बात नहीं कल खिला दूंगा, और ये सोचकर उसने घर का दरवाजा बंद कर लिया, पिल्ले अभी भी बाहर उसका इंतजार कर रहे थे। ये देखकर उसका मन विचलित हो गया, तभी उसे याद आया कि घर में मेहमान आये थे, जिनके लिए वो काजू बादाम वाले बिस्कुट लाया था। उसने फटाफट डब्बा खोला तो उसमें सिर्फ 7-8 बिस्कुट थे, इतने बिस्कुट से तो कुछ नहीं होगा, एक का भी पेट नही भरेगा, पर सोचा कि चलो सब को एक एक दे दूंगा, तो ये चले जायेंगे। उन बिस्कुट को लेकर जब वो बाहर आया तो देखा कि सारे पिल्ले जा चुके थे, सिर्फ एक पिल्ला उसके इंतज़ार में अभी भी इस विश्वास के साथ बैठा था कि कुछ तो जरूर मिलेगा। उसने वो सारे बिस्कुट पिल्ले के सामने डाल दिये। पिल्ला बड़ी खुशी के साथ वो सब बिस्कुट खा गया और फिर चला गया। बाद में उस आदमी ने सोचा कि हम मनुष्यों के साथ भी तो यही होता है, जबतक ईश्वर हमें देते रहते हैं, तब तक हम खुश रहते हैं और भक्ति में लगे रहते हैं। लेकिन भगवान को जरा सी देर हुई नही कि हम उसकी भक्ति पर संदेह करने लगते हैं, दूसरी तरफ जो उसपर विश्वास बनाये रखता है, उसे उसके विश्वास से ज्यादा मिलता है। इसलिये अपने प्रभु पर विश्वास बनाये रखें, अपने विश्वास को किसी भी परिस्थिति में डिगने ना दें, अगर देर हो रही है इसका मतलब है कि प्रभु आपके लिए कुछ अच्छा करने में लगे हुए हैं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — लाभ के अवसर हाथ आएंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार लाभदायक रहेगा।

वृषभ — जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय बनी रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। आज के काम कल पर नहीं टालें। विवेक का प्रयोग करें।

मिथुन — जल्दबाजी में कोई भी लेन-देन न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। फालतू खर्च होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

कर्क — किसी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। समय नेष्ट है। नकारात्मकता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

सिंह — शत्रु शांत रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

कन्या — संतान पक्ष से स्वास्थ्य तथा अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यशैली में परिवर्तन करना पड़ सकता है।

तुला — थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

वृश्चिक — प्रेम-प्रसंग में हड़बड़ी न करें। विवाद हो सकता है। नकारात्मकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। युवक व युवती विशेष सावधानी बरतें।

धनु — कानूनी बाधा संभव है। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धनहानि किसी भी तरह हो सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

मकर — सुख के साधनों पर व्यय होगा। स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। प्रॉपर्टी के काम बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में सुख-शांति रहेंगे।

कुम्भ — मनोरंजक यात्रा की आयोजना हो सकती है। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

मीन — दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से खिन्नता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। भागदौड़ रहेगी।

100 करोड़ पार पहुंचीं तृषा कृष्णन-सूर्या की करुप्पू

साउथ की फिल्म करुप्पु इन दिनों सिनेमाघरों में शानदार कमाई कर रही है। फिल्म की कहानी और दमदार कास्ट की भी दर्शक जमकर तारीफ कर रहे हैं। इसी बीच मेकर्स ने हाल ही में एक तस्वीर शेयर किया हैं, जिसमें तमिलनाडु के सीएम विजय फिल्म के मेकर्स को बधाई देते हुए नजर आ रहे हैं।

हाल ही में फिल्म के मेकर्स ने एक फोटो शेयर कर लिखा, हमें बताते हुए खुशी हो रही है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने हमारे प्रोड्यूसर प्रभु को सूर्या की फिल्म करुप्पु की शानदार सफलता पर दिल से शुभकामनाएं और बधाई दी है। उनकी तरफ से मिली शुभकामनाएं

हमारी पूरी टीम के लिए खास और दिल को छू लेने वाला पल हैं। इस पोस्ट के आते ही फैंस के बीच भी खुशी की लहर दौड़ गई हैं।

फिल्म की बात करें, तो Sacnilk की रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसने 5 दिनों में बॉक्स ऑफिस पर कुल 90.24 करोड़ की कमाई कर ली हैं। वहीं इसका ग्रॉस कलेक्शन 105.50 करोड़ तक पहुंच चुका हैं। फिल्म ने पहले दिन 15.50 करोड़ के साथ ओपनिंग की थी, हालांकि दूसरे और तीसरे दिन इसके कलेक्शन में जबरदस्त उछाल देखने को मिला।

फिल्म की तारीफ करने के बाद सीएम विजय और तृषा कृष्णन की दोस्ती एक बार फिर चर्चा में आ गई हैं। दोनों कई सालों से अच्छे और करीबी दोस्त है, जिनके रिश्ते की खबर भी अक्सर सामने आती रहती हैं। हालांकि तृषा ने साफ कहा है कि दोनों सिर्फ अच्छे दोस्त हैं। दोनों ने साथ में कई शानदार फिल्मों में काम किया है, जिसमें घिल्ली, थिरुपाची, आथी, कुरुवी और लियो शामिल हैं।

रिश्ते में बेवफाई पर बोलीं रकुल प्रीत सिंह, कहा-

एक बार की गलती को माफ कर देना चाहिए

बॉलीवुड | मसाला

हाल ही में जैकी भगनानी ने रकुल प्रीत सिंह के साथ अपनी शादी को सिचुएशनशिप बताया था जिसके बाद इंटरनेट पर हलचल मच गई। वहीं अब पति पत्नी और वो दो एक्ट्रेस रकुल ने भी बेवफाई के मुद्दे पर बात की है। रिश्तों के बारे में खुलकर बात करते हुए, अभिनेत्री ने स्वीकार किया कि एक बार की गलती को कभी-कभी माफ किया जा सकता है।

बता दें कि हाल ही में, रकुल ने सारा अली खान और आयुष्मान खुराना के साथ पति पत्नी और वो दो के प्रमोशन के दौरान मैशेबल इंडिया को इंटरव्यू दिया था। इस दौरान उन्होंने बेवफाई के मुद्दे पर चर्चा की। वहीं जब रकुल से पूछा गया कि क्या किसी रिश्ते में धोखा देना जस्टिफाई हो सकता है, तो उन्होंने तुरंत नहीं में जवाब दिया।

इस पर सारा ने बीच में दखल देते हुए कहा कि कम से कम माफी तो मांगनी चाहिए, लेकिन यह बिल्कुल भी ठीक नहीं है। रकुल ने इस बात से सहमति जताई। हालांकि, आयुष्मान ने एक अलग पाइंट रखते हुए कहा कि शादी के अपने रूल्स होते हैं। साथ ही, अगर ईमानदारी से माफी मांगी गई है, तो क्यों नहीं? इसके बाद रकुल ने कहा, यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि बेवफाई किस हद तक हुई है। किस हद तक? अगर धोखा देना आदत बन गई है... रकुल अपनी बात पूरी कर पातीं उससे पहले सारा ने उन्हें बीच में ही रोक दिया और पूछा कि क्या एक बार धोखा देना जायज़ माना जा सकता है? रकुल ने कहा कि उन्हें यह जायज़ नहीं लगता।

रकुल ने आगे कहा, लेकिन अगर किसी से एक बार गलती हुई है तो जिदगी बहुत लंबी है और एक गलती के लिए माफ न करना सही नहीं है। इसके बाद उन्होंने मजाक में कहा ये बात मेरे निजी रिश्ते पर लागू नहीं होती। प्लीज नोट। आयुष्मान ने भी कुछ ऐसा ही कहा, इंसान गलतियां करते हैं। लेकिन अगर वे सचमुच माफी मांग रहे हैं, और अगर आप उस इंसान के लिए सहानुभूति रखते हैं। तो जिंदगी बहुत लंबी है। इस पर सारा ने कहा कि वह माफ तो कर सकती हैं, लेकिन भूल नहीं सकतीं, जिस पर रकुल ने कहा कि उन्हें लगता है कि अगर कोई माफ़ कर देता है, तो उसे आखिरकार भूलना ही पड़ता है।

यह घटना रकुल और उनके पति जैकी भगनानी के पर्सनल लाइफ के सवालों के घेरे में आने के कुछ दिनों बाद हुई है, जब जैकी ने उनकी शादी को लेकर 'सिचुएशनशिप' वाला कमेंट किया था।

बॉलीवुड | मन की बात

बॉलीवुड के बड़े लोगों ने मुझे 60 फिल्मों से निकलवाया : अमाल

सिंगर और म्यूजिक कंपोजर अमाल मलिक अक्सर अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं। अब उन्होंने सोशल मीडिया पर एक लंबा नोट शेयर किया है। जिसमें सिंगर ने इंडस्ट्री के कुछ लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अमाल का कहना है कि बीते कई सालों में उन्हें करीब 60 फिल्मों से हटाया गया और लगातार साइडलाइन किया गया। दरअसल, बीती रात अमाल मलिक ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फैंस के नाम एक लंबा नोट शेयर किया। इसमें उन्होंने लिखा, इंडस्ट्री में बड़े और ताकतवर लोगों ने मुझे 60 से ज्यादा प्रोजेक्ट्स से बाहर करवा दिया। वहीं करीब 20 फिल्में मैंने खुद छोड़ीं, क्योंकि उन सेटअप्स में काम करना मुझे सही नहीं लगा। एक म्यूजिशियन के तौर पर मैं वहां खुद की इज्जत नहीं कर पाता। अमाल ने आगे कहा कि वो हमेशा अपने फैंस के लिए अच्छा म्यूजिक और वीडियो बनाने की कोशिश करते रहेंगे, चाहे फिल्में मिलें या नहीं। उन्होंने लिखा, मुझे कोई पछतावा नहीं है, ये उनका नुकसान है। लेकिन कहीं न कहीं इसका असर मेरे फैंस पर भी पड़ता है, और इसके लिए मैं माफी चाहता हूं। इसलिए मैं आप सभी को ये बात साफ करना चाहता था। अमाल मलिक ने आगे लिखा कि वो पिछले 8 सालों से पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ काम करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इंडस्ट्री में चीजें इस तरह काम नहीं करतीं। उन्होंने कहा, मैं सम्मानजनक शर्तों के साथ काम करना चाहता हूं, लेकिन यहां ऐसा चल नहीं पाता। ऊपर से इस इंडस्ट्री की सच्चाई छुपा न पाने की मेरी आदत कई लोगों को खटकती है, जिसकी वजह से मुझे और मेरे परिवार को बेवजह धमकियां भी मिलती हैं। अमाल ने दावा किया कि इंडस्ट्री के कुछ पावरफुल लोग नहीं चाहते कि वो किसी भी फिल्म का हिस्सा बनें। उन्होंने लिखा, अब बात सिर्फ म्यूजिक लेबल्स तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह कुछ अहंकारी लोगों का एक बड़ा सिंडिकेट बन चुका है।

दुनिया का सबसे गर्म स्थान, 100 डिग्री से ऊपर निकल जाता है तापमान, 5 मिनट में मौत तय!

देशभर में इनदिनों भीषण लू से हाल बेहाल है। गर्मी के चलते लोगों की हालत खराब हो रही है ऐसे में आपके मन में ये ख्याल जरूर आता होगा कि आखिर दुनिया में ऐसा कौनसा स्थान है जहां सबसे ज्यादा गर्मी पड़ती है। तो चलिए आज हम आपको दुनिया के ऐसे ही स्थान के बारे में बताने जा रहे हैं जहां इतनी गर्मी पड़ती है कि पलभर में इंसान की जान जा सकती है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं अमेरिका के राज्य कैलिफोर्निया में मौजूद डेथ वैली की। जहां इतनी गर्मी पड़ती है कि आप अपने देश में पड़ने वाली गर्मी को भूल जाएंगे। भीषण गर्मी पड़ने की वजह से ही इस स्थान को डेथ वैली कहा जाता है। इस जगह पर जून से अगस्त के बीच इतनी ज्यादा गर्मी होती है कि पारा 100 डिग्री के भी ऊपर चला जाता है। ऐसे में यहां चंद मिनट गुजारना भी मुश्किल हो जाता है। डेथ वैली में 100 डिग्री सेल्सियस तापमान की बात मजाक नहीं है बल्कि कई बार तो यहां पारा इससे भी ऊपर निकल जाता है। WMO की ओर से यहां 130 डिग्री के रिकॉर्ड तापमान के बारे में जानकारी दी गई थी। इस जगह पर आने वाले पर्यटक गर्मी मापने वाले मीटर की तस्वीरें क्लिक करके अपने साथ ले जाते हैं। इस जगह पर इतनी गर्मी होने की वजह इसकी भौगोलिक स्थिति है। माना जाता है कि जून और अगस्त के महीने में डेथ वैली सबसे ज्यादा गर्म होती है। यहां पानी की काफी कमी है। अगर आप सोच रहे हैं कि यही पृथ्वी की सबसे गर्म जगह है, तो हम आपको बता दें दुनिया की सबसे गर्म जगह का रिकॉर्ड अल अजीजिया के नाम है, जहां अब से 100 साल पहले तापमान 136 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। अमेरिका के नेवाडा स्टेट में मौजूद डेथ वैली की लंबाई 225 किलोमीटर है जिसकी चौड़ाई 8-14 किलोमीटर है जो घटती-बढ़ती रहती है। बताते हैं कि यहां से गुजरने वाले इंसान और जानवर गर्मी की वजह से रास्ते में ही मर जाते थे। जब यहां जांच-पड़ताल की गई तो बड़ी संख्या में इंसान और जानवरों हड्डियां मिली थीं। यही वजह से कि इसे डेथ वैली का नाम दिया गया। उसके बाद 1933 में अमेरिका की सरकार के इसे नेशनल मोन्यूमेंट का दर्जा दे दिया।

अजब-गजब | बुकलैंड : किताब प्रेमियों की कल्पना में बसता है यह देश

यहां विज्ञान, रोमांच रहस्य, इतिहास, फंतासी हर तरह की किताबें होती हैं तैयार, नक्शे, ग्लोब या गूगल मैप पर मौजूद नहीं है यह देश

दुनिया में किताबें पढ़ने वाले करोड़ों लोग हैं। हर कोई अपनी पसंदीदा किताब को बार-बार पढ़ता है और नई किताबों का इंतजार करता रहता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि ये सारी किताबें आती कहां से हैं? एक अनोखा और मजेदार जवाब है। 'बुकलैंड'।

यह दुनिया का वो देश है जहां हर एक किताब लिखी जाती है। लेकिन सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि बुकलैंड किसी भी नक्शे, ग्लोब या गुगल मैप पर मौजूद नहीं है। बुकलैंड एक थियोरिटिकल यानी सैद्धांतिक देश है। यह वास्तविकता में नहीं बल्कि किताब प्रेमियों की कल्पना में बसता है। लेखकों, कवियों और कहानीकारों के अनुसार जब भी कोई नई कहानी, उपन्यास या ज्ञान की किताब लिखी जाती है तो उसका जन्म बुकलैंड में ही होता है। यहां कल्पना की कोई सीमा नहीं है। यहां विज्ञान, रोमांच, रहस्य, इतिहास, फंतासी। हर तरह की किताबें तैयार होती है।

दरअसल, दुनिया के हर एक चीज के ऊपर एक बारकोड बना होता हैं। उसके आधार पर पता चलता है कि आइटम किस देश में बना है। हर देश का अपना यूनिक कोड होता है। लेकिन किताब के मामले में

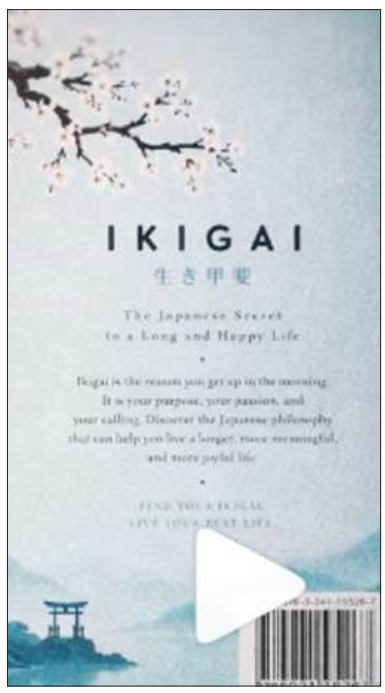

उसे एक देश का बताना उचित नहीं था। ऐसे में एक्सपर्ट्स ने एक इमेजिनरी देश बुकलैंड बनाया और उसे एक कोड दे दिया। यही वजह है कि दुनिया की हर किताब के बारकोड में इसी देश का कोड इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में बड़ी समस्या सॉल्व हो गई। लेकिन ये देश असल में मौजूद नहीं है।

बुकलैंड की अवधारणा कई दशकों पुरानी है। किताब प्रेमी इसे 'दुनिया का सबसे अमीर देश' मानते हैं क्योंकि यहां ज्ञान का खजाना भरा पड़ा है। इस देश की राजधानी 'स्टोरीविले' है जहां लेखक अपनी कहानियों को आकार देते हैं। यहां की सड़कें शब्दों से बनी हैं, नदियां स्याही की बहती हैं और पहाड़ कागज के बने होते हैं। यह सब कल्पना है लेकिन किताबों के शौकीनों के लिए यह जिंदगी से भी ज्यादा सच्चा लगता है। कई प्रसिद्ध लेखकों ने अपनी किताबों में बुकलैंड का जिक्र किया है। वे कहते हैं कि जब वे लिखते हैं तो उन्हें लगता है कि कोई अदृश्य शक्ति उन्हें बुकलैंड से गाइड कर रही है। हर नई किताब बुकलैंड से निकलकर दुनिया के अलग-अलग देशों में पहुंचती है। यही वजह है कि चाहे आप भारत में हों, अमेरिका में हों या जापान में, आपकी पसंदीदा किताब कहीं ना कहीं बुकलैंड की देन होती है।

भारत का हर वर्ग रो रहा और पीएम रील बनाने में व्यस्त हैं : राहुल गांधी

रायबरेली के सांसद बोले- यह नेतृत्व नहीं, नौटंकी है

» नेता प्रमिपक्ष ने यूपी विस-27 चुनाव से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं में भरा जोश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर तब निशाना साधा जब इटली के प्रधानमंत्री मेलोनी को मेलोडी टॉफी देते हुए उनका एक वीडियो वायरल हुआ। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हमारे सिर पर आर्थिक तूफान मंडरा रहा है, और हमारे प्रधानमंत्री इटली में मिठाइयां बांटने में व्यस्त हैं! उन्होंने आगे कहा कि किसान, युवा, महिलाएं, मजदूर और छोटे व्यापारी सभी रो रहे हैं - प्रधानमंत्री हँस रहे हैं और रील बना रहे हैं, जबकि भाजपा के लोग तालियां बजा रहे हैं। यह नेतृत्व नहीं, नौटंकी है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अगले साल होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरने की कोशिश करते हुए कहा कि अमेठी से उनका पारिवारिक रिश्ता है और चुनाव से पहले यहां के लोग जो भी कहेंगे, वह वैसा ही करेंगे। गांधी ने गौरीगंज के तेजीपुर गांव में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अमेठी के साथ अपने परिवार के लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव का जिक्र किया। उन्होंने कहा, ''यह मेरा घर है, मेरा परिवार है और मेरी कर्मभूमि है। राजीव जी, सोनिया जी, प्रियंका जी और मैं - हम सभी अमेठी से जुड़े रहे हैं। मैं यहां से सांसद भी रहा हूं। भविष्य में आप सब मुझसे जो कुछ भी करने को कहेंगे, मैं वही करूंगा।

अमेठी मेरा घर, मेरी कर्मभूमि है

अमेठी से पार्टी के सांसद किशोरी लाल शर्मा की तारीफ की

राहुल ने अमेठी से पार्टी के सांसद किशोरी लाल शर्मा के भाषण का जिक्र करते हुए उसे भावुक बताया और दोहराया कि वह अमेठी के लोगों की भावनाओं का सम्मान करेंगे। शर्मा ने कहा कि वह खुद को महज़ एक सेवक मानते हैं। उन्होंने इच्छा जताई कि गांधी को एक बार फिर संसद में अमेठी का प्रतिनिधित्व करना चाहिए। शर्मा ने कहा कि गांव-गांव में लोगों के दिलों में गांधी परिवार के लिए आज भी गहरा स्नेह मौजूद है। राहुल वर्ष 2004 से 2019 तक अमेठी से सांसद रहे और वर्ष 19 के लोकसभा चुनाव में उन्हें भाजपा नेता स्मृति ईरानी के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा था। हालांकि वर्ष 24 की लोकसभा चुनाव में अमेठी से कांग्रेस के किशोरी लाल शर्मा ने स्मृति ईरानी को हराया था लेकिन वर्ष 27 के विधानसभा चुनाव से पहले अमेठी में कांग्रेस के सामने बड़ी चुनौती खड़ी है।

एचपी के मैनेजर हर्षित मिश्रा के परिजनों से मिले नेता प्रतिपक्ष

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लखनऊ एयरपोर्ट पर बीते दिनों बदायूं के हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपी) एथेनॉल प्लांट में मारे गए मैनेजर हर्षित मिश्रा के परिजनों से मुलाकात की, राहुल गांधी ने बंद कमरें में पीड़ित परिवार से मुलाकात की और शोक संतृप्त परिवार को ढांढस बंधाया। इस मुलाकात के दौरान कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे। राहुल गांधी से मुलाकात के दौरान हर्षित मिश्रा के परिजनों ने प्रशासन की ढीली कार्रवाई को लेकर अपनी चिंताएं रखीं। साथ ही हर्षित हत्याकांड को लेकर पीड़ित परिवार ने सीबीआई जांच कराए जाने की मांग रखी है। राहुल गांधी ने परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया है। परिवार के सदस्य वैभव मिश्रा ने बताया कि मामले की जांच के लिए जो एसआईटी गठित की गई थी, उसे 16 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपनी थी. परिवार का आरोप है कि घटना को ढाई महीने बीत चुके हैं लेकिन, एसआईटी की रिपोर्ट न तो सार्वजनिक की गई है और न ही पीड़ित परिवार को इसकी कोई जानकारी दी गई है।

मान सरकार पर पंजाब की जनता को भरोसा : केजरीवाल

» विस चुनाव में पार्टी अपना ही रिकॉर्ड तोड़ने के लिए तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब में आगामी चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन पर पूरा भरोसा जताया और कहा कि सत्ता समर्थक लहर के चलते पार्टी अपना ही रिकॉर्ड तोड़ने के लिए तैयार है। राज्य के दौरे के दौरान मीडिया से बात करते हुए, आप प्रमुख ने कहा कि जनता में जो सकारात्मक भावना है, वह भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों का परिणाम है।

केजरीवाल ने कहा कि मैं पंजाब में दो दिवसीय दौरे पर हूं, जहां मैं चुनाव के संबंध में पंजाब के नेतृत्व से कई बैठकें करूंगा। मुझे पूरा विश्वास है कि आम आदमी पार्टी आगामी चुनावों में अपना ही रिकॉर्ड तोड़ेगी। पंजाब में आप सरकार के प्रति सकारात्मक माहौल है। हमारी सरकार के प्रति सत्ता समर्थक भावना है, न कि सत्ता विरोधी भावना। राज्य सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए केजरीवाल ने दावा किया कि जनता उन कल्याणकारी योजनाओं के प्रभाव को स्वीकार कर रही है, जिन्हें पहले अन्य राजनीतिक दलों द्वारा नजरअंदाज किया जाता था। आम आदमी पार्टी के प्रमुख ने जोर देकर कहा कि लोग हमारे कार्यों की चर्चा कर रहे हैं, जैसे मुफ्त बिजली, 10 लाख रुपये का बीमा और खेल के मैदानों का निर्माण। किसी भी अन्य सरकार ने इतना काम नहीं किया। विपक्ष के पास मान साहब को मौखिक रूप से गाली देने के अलावा कोई एजेंडा नहीं है। हम आने वाले चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। ये टिप्पणियां पंजाब राज्य चुनाव आयोग द्वारा 13 मई को राज्य भर में नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पंचायतों के आम चुनावों का कार्यक्रम घोषित करने के बाद आई हैं, जिससे चुनावी प्रक्रिया शुरू हो गई है जो 31 मई, 26 तक पूरी होनी है।

प्लेऑफ में चौथे स्थान के लिए 3 टीमों में जंग!

» राजस्थान की अगली जीत से पंजाब और केकेआर हो जाएंगे बाहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। फिलहाल लीग स्टेज अपने अंतिम चरण में है और इस स्टेज के छह मुकाबले बाकी हैं। अब तक तीन टीमों ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया है, जिनमें डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद शामिल हैं। वहीं, मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जाएंट्स रेस से बाहर हो चुकी हैं।

अब प्लेऑफ में बाकी बचे एक स्थान के लिए पांच टीमों के बीच जंग है। हालांकि, राजस्थान रॉयल्स ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को हराकर बाकी चार टीमों की सांसें अटका दी हैं। राजस्थान अगर अपना अगला मैच जीतता है तो बाकी सभी टीमों के समीकरण धरे के धरे रह जाएंगे। हालांकि, अगर राजस्थान की टीम हारती है तो इससे समीकरण और दिलचस्प हो जाएगा। लखनऊ के खिलाफ मिली जीत से राजस्थान की टीम टॉप-4 में पहुंच गई। इस जीत के बाद अब राजस्थान रॉयल्स की किस्मत पूरी तरह उनके अपने हाथ में है। अगर राजस्थान मुंबई इंडियंस को हरा देता है, तो टीम 16 अंकों तक पहुंच जाएगी और सीधे प्लेऑफ में जगह बना लेगी। ऐसी स्थिति में अगर गुजरात और हैदराबाद अपने आखिरी मैच हारते हैं, तो राजस्थान के पास टॉप-2 में पहुंचने का भी मौका रहेगा। मुंबई के खिलाफ हारने पर राजस्थान 14 अंकों पर ही रुक जाएगा। ऐसे में पंजाब किंग्स 15 अंक तक पहुंच सकती है, अगर वह लखनऊ को हरा दे। वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स भी अपना आखिरी मैच जीतकर 15 अंक तक पहुंच सकती है। वहीं अगर दिल्ली कैपिटल्स और चेन्नई सुपर किंग्स अगर अपने आखिरी मैच जीत भी जाता है तो इनके 14 अंक ही होंगे। इस तरह यह दोनों टीमें प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी हैं।

मुंबई को हराकर छठे स्थान पर पहुंची कोलकाता

कोलकाता। केकेआर ने मुंबई इंडियंस को चार विकेट से हराकर प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है। बुधवार को ईडन गार्डन्स पर खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 147 रन बनाए। जवाब में केकेआर ने 18.5 ओवर में छह विकेट पर 148 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ कोलकाता की टीम अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई है। उनके खाते में 13 अंक हो गए है। अब केकेआर को उनका आखिरी मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलना है। कोलकाता ने इस जीत के दम पर प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है।

भाजपा वही काट रही जो उसने बोया है : महबूबा मुफ्ती

» राहुल गांधी के बयान पर बोलीं पीडीपी चीफ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लेकर दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा पर निशाना साधा है। शोपियां में मीडिया से बातचीत के दौरान महबूबा मुफ्ती ने कहा कि अगर राहुल गांधी ने कुछ कहा है तो उस पर इतना हंगामा क्यों हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने वर्षों तक मुसलमानों और धर्मनिरपेक्ष लोगों को देशद्रोही कहकर निशाना बनाया।

महबूबा मुफ्ती ने कहा कि पहले लोगों को पाकिस्तान जाओ कहा जाता था और अब ईरान जाओ कहा जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि मुसलमानों के घरों पर बुलडोजर चलाए गए, लेकिन उस समय किसी ने आवाज नहीं उठाई। भाजपा आज वही झेल रही है जो उसने खुद बोया था। दरअसल राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के रायबरेली में एक रैली के दौरान भाजपा और आरएसएस पर हमला बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और संगठन को देश बेचने वाला बताते हुए तीखी टिप्पणी की थी, जिसके बाद राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया।

केरल की तरह यूपी में भी सरकार बना सकते हैं मुसलमान: इसरार अहमद

» एआईएमआईएम नेता ने किया दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच असदुद्दीन ओवैसी की ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन पार्टी के पूर्वांचल अध्यक्ष इसरार अहमद ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अगर यूपी में मुसलमान मजलिस का साथ देते हैं तो केरल की तरह उत्तर प्रदेश में भी मुसलमानों के बिना कोई सरकार नहीं बन पाएगी। उन्होंने कहा कि ये सत्ता में हिस्सेदारी की लड़ाई है।

एआईएमआईएम के पूर्वांचल अध्यक्ष इसरार अहमद ने कहा कि लोग कहते हैं कि अगर मजलिस को उत्तर प्रदेश में 4-6 विधायक जीत भी जाएं तो क्या वो सरकार बना लेंगे, हां बिल्कुल बना लेंगे. आपने देखा कि आज केरल में नई सरकार बनी, जिसमें मुस्लिम लीग के 22 विधायक जीते हुए हैं और पाँच मंत्री बनाए गए हैं. केरल में बगैर मुस्लिम लीग के सहयोग के कोई सरकार नहीं बन सकती है जबकि केरल में मुसलमानों की आबादी 25 फीसद है। उत्तर प्रदेश में यहां के सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 24 फीसद मुसलमान हैं, अगर यूपी में लोग मजलिस का सहयोग करें तो यूपी में भी आपको सत्ता में हिस्सेदारी मिल जाएगी। जिस तरह केरल की सत्ता में हिस्सेदारी मिल गई,अगर आप यूपी में मजलिस को जिताने में कामयाब होते हैं तो उत्तर प्रदेश में भी मुसलमानों की भागीदारी के बिना कोई सरकार नहीं बन सकती।

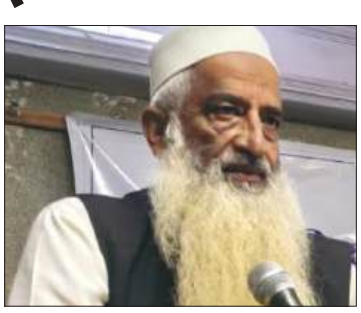

बीजेपी ने किया पलटवार

एआईएमआईएम नेता इसरार अहमद के बयान पर भारतीय जनता पार्टी ने पलटवार किया है। बीजेपी प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा कि मजलिस की भाषा चौंकाने वाली है, यह मुस्लिम लीग की भाषा है, यह विभाजनकारी है. प्रदेश में यह भाषा नहीं चलेगी। देश सबका साथ सबका विकास और सबके प्रयास के मूल मंत्र पर चल रहा है।

नीट यूजी पेपर लीक को लेकर राजस्थान में युवा आगबबूला

कांग्रेस का जयपुर में हल्लाबोल, पुलिस से झड़प के बाद प्रदर्शनकारियों पर सख्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। नीट यूजी पेपर लीक मामले को लेकर राजस्थान की राजधानी जयपुर में गुरुवार को कांग्रेस ने बीजेपी मुख्यालय के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय से पैदल मार्च करते हुए शहीद स्मारक के रास्ते बीजेपी कार्यालय की ओर बढ़े। प्रदर्शन के चलते पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया।

उधर पूरे देश का युवा सरकार के खिलाफ गुस्से से आगबबूला हो रहा है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस ने रास्ते में कई जगह बैरिकेड्स लगाए थे, लेकिन प्रदर्शनकारी बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। बीजेपी मुख्यालय की ओर बढ़ रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की भी हुई।

नीट का पेपर कहां मिलेगा, बीजेपी के बाड़े में, के लगे नारे

प्रदर्शन में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली समेत कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता मौजूद रहे। बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं ने भी प्रदर्शन में हिस्सा लिया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और बीजेपी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने नीट का पेपर कहां मिलेगा, बीजेपी के बाड़े में जैसे नारे लगाए, जिससे माहौल और गरमा गया।

एनटीए भंग हो और धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें : डोटासरा

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने केंद्र सरकार और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) पर गंभीर सवाल उठाए। राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा, ये लोग बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। धर्मेंद्र प्रधान नीट पेपर लीक के किंगपिन हैं। इस पूरे मामले के मास्टरमाइंड धर्मेंद्र प्रधान ही हैं। पैसे कमाए जा रहे हैं और सरकारों को अस्थिर किया जा रहा है। राहुल गांधी ने 024 में ही कहा था कि नीट के पेपर लीक हो रहे हैं, इस पर कार्रवाई होनी चाहिए और चर्चा होनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। लाखों बच्चों का भविष्य बर्बाद हो गया। ये लोग हमें भाषण दिया करते थे, लेकिन खुद ही बेईमान और भ्रष्ट निकले।

अशोक गहलोत ने जांच पर उठाए सवाल

पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पेपर लीक मामले की जांच पर भी सवाल उठाए। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। दूसरी ओर बीजेपी कार्यकर्ता भी कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए पैदल मार्च कर रहे हैं। दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के आमने-सामने आने की आशंका को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया, ताकि किसी भी तरह के टकराव की स्थिति न पैदा हो।

बुंदेलखंड बना आग की भट्टी

पारा 48 डिग्री के करीब, तीन दिनों के लिए रेड अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। गर्मी के दिनों में पठारी मिट्टी ने बांदा को भट्ठी बना दिया है। इस बार हालात ऐसे हैं कि यह जिला गर्मी का पूरे देश में रिकार्ड बना रहा है। यहां का तापमान बढ़ाने में गर्म हवाएं भी आग में घी का काम कर रही है। इसके आसपास के इलाके भी इस आंच में झुलस रहे हैं। आसमान साफ होने और चक्रवात की सरहद पर होने की वजह से मौसम विज्ञान केंद्र ने इस क्षेत्र में तीन दिन का रेड अलर्ट बढ़ा दिया है। रेड अलर्ट के दायरे में चित्रकूट, फतेहपुर, कानपुर देहात, औरैया, जालौन, हमीरपुर आदि जिले आ गए हैं।

गर्मी अधिक बढ़ने का समय मानसून के आने के एक-डेढ़ महीने पहले से होता है। मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ विज्ञानी और प्रदेश के एकीकृत मौसम पूर्वानुमान केंद्र प्रभारी डॉ. अतुल सिंह का कहना है कि इस दौरान एक गर्म बेल्ट होती है। यह पाकिस्तान के जैकोबाबाद से होकर प्रयागराज, बांदा आदि क्षेत्रों से होकर गुजरती है। चूंकि बांदा के आसपास के इलाके पठारी है। इससे यहां का तापमान एकदम से बढ़ जाता है। बांदा क्षेत्र के आसपास सूरज की सीधी किरणें पड़ती हैं।

पठारी क्षेत्र की कठोर चट्टानें, पत्थर गर्मी को जल्दी सोख लेते हैं और बहुत अधिक तापमान पैदा करते हैं। वरिष्ठ मौसम विज्ञानी डॉ. सिंह के मुताबिक बांदा क्षेत्र में पठारी मिट्टी के साथ हवाओं का कंसंट्रेशन रहता है। इसके अलावा इसके अगल-बगल वाले जनपदों में भी तापमान अधिक रहता है। इन क्षेत्रों में एक-दो डिग्री का ही फर्क आता है। पठारी क्षेत्र नुकीला न होकर मेज की तरह सपाट होता है। इसी से इसे टेबिललैंड भी कहा जाता है।

इन जिलों में लू का रेड अलर्ट

बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, भिर्जापुर, भदोही, कानपुर देहात, कानपुर नगर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, एटा, आगरा, मैनपुरी, फिरोजाबाद, इटावा, औरैया, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर व आसपास के क्षेत्र।

डॉक्टरों की सलाह

गर्मी में घर के बाहर जाने से पहले क्या करें

हाइड्रेशनः घर से निकलने से पहले 1-2 गिलास पानी पीएं। अपने साथ पानी की बोतल रखें।

पहनावाः हल्के रंग के ढीले-ढाले सूती कपड़े पहनें। धूप के चश्मे का प्रयोग करें।

सुरक्षाः टोपी, स्कार्फ या छाते का उपयोग करें। धूप में निकलने से 20 मिनट पहले सनस्क्रीन लगाएं।

समय का ध्यानः सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे के बीच सीधे धूप में जाने से बचें।

खान-पानः बाहर जाने से पहले हल्का खाना खाएं।

59 साल बाद कांग्रेस की तमिलनाडु मंत्रिमंडल में हुई वापसी

विजय सरकार में 23 नए मंत्रियों ने ली शपथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु में मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली टीवीके सरकार का आज विस्तार हो गया। मुख्यमंत्री विजय ने मंत्रिमंडल में शामिल करने के लिए 23 विधायकों के नामों की सिफारिश की थी।

राज्यपाल ने मुख्यमंत्री की इस सिफारिश को स्वीकार किया। जिसके बाद आज 23 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। इस विस्तार की सबसे खास बात कांग्रेस पार्टी की सरकार में वापसी है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस के दो विधायकों को भी अपनी मंत्रिमंडल में जगह दी है। 59 साल बाद यह पहला मौका है जब कांग्रेस तमिलनाडु में किसी क्षेत्रीय दल के नेतृत्व वाली सरकार का हिस्सा बन रही है। इस नई कैबिनेट में राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों का ध्यान रखा गया है। नए मंत्रियों की सूची में थूथुकुडी से श्रीनाथ, अविनाशी से कमाली एस, कुमारपालयम से सी विजयलक्ष्मी और कांचीपुरम से आरवी रंजीतकुमार को जगह मिली है। इनके साथ ही कुंभकोणम से विनोद, तिरुवदानई से राजीव, कडलूर से बी राजकुमार, अरक्कोनम से वी गांधीराज और ओट्टापिडारम से मथन राजा पी भी मंत्री पद की शपथ लेंगे।

चंडीगढ़ में कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

हरियाणा सीएम को उड़ाने की लिखी बात, अंबाला रेल ट्रैक पर करेंगे ब्लास्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में कई स्कूलों को को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पहले के मामलों की तरह इस बार भी धमकी ईमेल के माध्यम से आई है। जिन स्कूलों को धमकी मिली है उनमें चितकारा स्कूल, स्ट्राबेरी स्कूल और डीपीएस स्कूल शामिल हैं।

सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉड और खुफिया एजेंसियां अलर्ट हो गईं और सघन तलाशी अभियान चलाया गया। धमकी भरी मेल में हरियाणा के सीएम नायब सैनी का नाम भी लिखा है। ईमेल में लिखा है कि स्कूलों में 1.11 बजे और सीएम सैनी के आफिस में 3.11 बजे धमाके होंगे। इसके अलावा लिखा गया है कि 6 जून तक अंबाला से दिल्ली रेलवे ट्रैक पर धमाके होंगे। धमकी भरे ईमेल में चंडीगढ़ को खालिस्तान बनाने की साजिश का जिक्र किया गया। साथ ही लिखा गया कि हमारा बच्चों से कोई बैर नहीं है। ईमेल के अंत में खालिस्तान नेशनल आर्मी लिखा हुआ है। अंत में उसी व्यक्ति का नाम लिखा है, जिसके नाम से पहले भी धमकी भरे मेल भेजे गए थे। पुलिस के अनुसार, धमकी भरा ईमेल किस आईडी से भेजा गया, इसकी जांच की जा रही है। साइबर सेल की टीम तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर ईमेल भेजने वाले की पहचान में जुटी है।

21वीं सदी के आधुनिक भारत के निर्माता को देश ने किया याद

» पूर्व पीएम राजीव गांधी को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर आज पूरा देश उन्हें नमन कर रहा है। बृहस्पतिवार सुबह कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने राजीव गांधी के स्मारक वीर भूमि जाकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

बृहस्पतिवार सुबह तड़के ही गांधी परिवार और कांग्रेस के शीर्ष नेता वीर भूमि पहुंचे। वहां आयोजित प्रार्थना सभा में नेताओं ने दिवंगत नेता के देश के प्रति दिए गए सर्वोच्च बलिदान को याद किया। इस मौके पर नेताओं ने उनकी समाधि पर पुष्प चक्र अर्पित किए और देश की एकता व अखंडता को अक्षुण्ण रखने का संकल्प दोहराया।

सोनिया, खरगे व प्रियंका ने अर्पित किए पुष्प

आज सुबह कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने वीर भूमि जाकर राजीव गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की। प्रियंका गांधी वाड्रा के बच्चे, मिराया और रायहान वाड्रा भी श्रद्धांजलि समारोह में उपस्थित थे। अशोक गहलोत, पी चिदंबरम, भूपिंदर सिंह हुड्डा और मुकुल वासनिक सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

भावुक हुए राहुल बोले- आपका सपना पूरा करने की जिम्मेदारी लूंगा

राहुल गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर बचपन की तस्वीर के साथ एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए उनके सपनों को पूरा करने का संकल्प लिया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को अपने पिता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 35वीं पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और बचपन की एक निजी तस्वीर के साथ एक हार्दिक संदेश साझा किया। अपने पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा कि पापा, आपने जिस कुशल, समृद्ध और सशक्त भारत का सपना देखा था, उसे साकार करने की जिम्मेदारी मैं पूरी तरह से निभाऊंगा। आपकी शिक्षाएं, आपके मूल्य और आपकी यादें हमेशा मेरे साथ रहेंगी।

मोदी ने भी दी श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए एक संक्षिप्त संदेश पोस्ट किया। पीएम मोदी ने लिखा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी जी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि।

कांग्रेस नेता ने पोस्ट में तस्वीरें भी साझा की

कांग्रेस नेता ने पोस्ट में दो तस्वीरें भी साझा कीं। इनमें से एक तस्वीर राहुल गांधी और राजीव गांधी की बचपन की है, जिसमें पिता-पुत्र के बीच का एक निजी पल झलक रहा है, जो श्रद्धांजलि की भावुकता को दर्शाता है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा